04 - आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता की अनिवार्य पुकार

05 - विश्व संवाद का समावेशी मंच है 'विश्वरंग'

06 - बैतूल के भीमपुर में एसआईआर के काम में जुटे बीएलओ को...

07 - तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने...

A Daily News Magazine

इंदौर

गुरुवार, 27 नवम्बर, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 62, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

अफगानिस्तानः तालिबान रणनीतिक आज़ादी का दांव खेल रहा है...

प्रवीण स्वामी

पिछले हफ्ते, जब अफगानिस्तान की इस्लामिक अमीरात ने व्यापारियों को पाकिस्तान के साथ अपना कारोबार खत्म करने के लिए 3 महीने की समय सीमा दी, तो यह इतिहास के खिलाफ एक बड़ा और नाटकीय कदम था। पांच सदियों तक, पंजाब के खत्री और बनिया समुदायों ने बोलन दर्रे के मुहाने पर बसे छोटे से कस्बे शिकारपुर से लेकर ओडेसा और यहां तक कि सेंट पीटर्सबर्ग तक एक अद्भुत व्यापारिक नेटवर्क चलाया था। अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर झड़पें अक्सर भड़कती रही हैं, लेकिन हालिया टकराव के बादस जिसमें तुरखम क्रॉसिंग पर नाश होने वाले सामान ट्रकों में ही सड़ गए, तालिबान के उप-प्रधानमंत्री अब्दुल गनी बरादर ने व्यापारियों से कहा कि 'पाकिस्तान की जगह अन्य वैकल्पिक रास्तों पर अपना व्यापार मोड़ें।' लेकिन कहना आसान है, करना मुश्किलः पाकिस्तान 2024 में अफगानिस्तान का सबसे बड़ा अकेला ट्रेड पार्टनर रहा है, जो उसके 45 प्रतिशत निर्यात खरीदता था।

तालिबान ने तय किया लगता है कि पाकिस्तान की आर्थिक पकड़ से छुटकारा पाने के लिए कुछ आर्थिक परेशानी झेलना मंजूर है। यह बदलाव 2021 में इस्लामिक अमीरात के सत्ता में आने से पहले ही शुरू हो चुका था। पत्रकार फरंगिस नजीबुल्लाह के मुताबिक, पाकिस्तान के साथ व्यापार 2011 के 5 बिलियन डॉलर से घटकर 2024 में सिर्फ 1 बिलियन डॉलर रह गया है। वहीं पांच मध्य एशियाई देशों–उज़बेकिस्तान, कज़ाखिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, किर्गिज़स्तान और ताजिकिस्तान, के साथ व्यापार बढ़कर 1.7 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया है।

तालिबान के नेता उम्मीद कर रहे हैं कि ये नए रिश्ते उन्हें दुनिया में अपनी जगह को दोबारा गढ़ने में मदद करेंगे। भारत का समर्थन इसमें अहम होगा, जिस तरह दो सौ साल पहले था। सदियों से, अफगानिस्तान से बाहर जाने वाले सबसे भरोसेमंद और तेज़ व्यापारिक रास्ते काबुल से दक्षिण की ओर चलते हुए कराची बंदरगाह तक पहुंचते रहे हैं, लेकिन इसका कारण प्रकृति ने तय नहीं किया था। इतिहासकार स्टीफन डेल बताते हैं कि बार-बार व्यापारिक कारवां पर होने वाले हमलों से तंग आकर, सम्राट अकबर ने 1587 में अटक से काबुल तक के रास्ते पर मजबूत सरायों की एक श्रृंखला बनवाई। मारवाड़ी और अग्रवाल व्यवसायियों ने अपने कारोबार पश्चिम की ओर बढ़ाए और ईरान के बंदरगाह बंदर अब्बास के ज़रिए लिनन का व्यापार किया।

1623 में ईरान के इस्फहान पहुंचे रूसी व्यापारी एफ.ए. कोटोव ने वहां मुल्तान से आए हिंदू और मुस्लिम दोनों तरह के व्यापारियों को देखा। बड़ी संख्या में भारतीय पुरुषों ने तुर्क महिलाओं से शादी की और इस तरह एक पूरा इलाका आबाद हो गया जिसका नाम पड़ा 'अग्रिज़ान।'

ईस्ट इंडिया कंपनी के एजेंट मोहन लाल ने टिप्पणी कीः 'शिकारपुर अमृतसर से अधिक धनी इसलिए है, क्योंकि इसके निवासी जो ज़्यादातर खत्री हैं, पूरे मध्य एशिया के लगभग सभी इलाकों में फैल गए हैं।' लेकिन अफगान बादशाह उस तरह की मज़बूत सरकार नहीं बना पाए, जो देश को आधुनिक बना सके और उनकी अर्थव्यवस्था को हिंद महासागर के बड़े बंदरगाहों से जोड़ सके। उनकी सबसे बड़ी चुनौती थी केंद्र सरकार के खिलाफ लगातार होने वाले विद्रोह। आधुनिक अफगानिस्तान के निर्माता माने जाने वाले अमीर अब्दुर रहमान के शासनकाल में 40 से ज़्यादा बगावतें हुईं, जिन्हें 82 हजार से ज्यादा सैनिकों वाली सेना तैनात करके कुचला गया, लेकिन इतनी बड़ी सेना को चलाना खजाने के लिए मुश्किल था। आगे आने वाले शासक विद्रोहों को दबाने के लिए जनजातीय ताकतों पर निर्भर रहे, जिसने केंद्र की सत्ता को और कमज़ोर कर दिया।

1953 से, राजनीतिक वैज्ञानिक एंटोनियो जियोस्तोज़ी लिखते हैं, कि प्रधानमंत्री मुहम्मद दाऊद खान की सरकार ने केंद्रीकृत, राष्ट्रीय चेतना बनाने की कोशिश की। इसके लिए उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य को दी गई पश्तून इलाकों को वापस लेने का मुद्दा उठाया, लेकिन इससे पाकिस्तान के साथ एक धीमी, लंबी लड़ाई शुरू हो गई और खान को पीछे हटना पड़ा। ज़हीर शाह के शासन में थोड़ी-सी उदारीकरण की शुरुआत हुई, लेकिन वह भी जल्द रुक गई। विदेशी सहायता में कमी और संसद द्वारा नए कर लगाने से इंकार करने के कारण देश एक गहरी संकट में फंस गया। अफगानिस्तान की दो-तिहाई इंडस्ट्री राज्य के हाथ में थी, लेकिन वह नए, शिक्षित वर्ग को पर्याप्त रोज़गार नहीं दे पा रही थी और यह वर्ग कट्टर वामपंथ की ओर मुड़ गया। नतीजा था एक अस्थिर राजनीति और विदेशी मदद पर निर्भर, कमज़ोर अर्थव्यवस्था, जो एक संकट से दूसरी संकट में गिरती चली गई। 1991 में सोवियत संघ के टूटने और अफगानिस्तान में लंबी गृहयुद्ध ने उत्तर की ओर जाने वाले बाज़ार बंद कर दिए और पाकिस्तान पर निर्भरता और बढ़ा दी।

किसी ने उम्मीद नहीं की थी कि इस्लामिक अमीरात पाकिस्तान के खिलाफ इस तरह खड़ा हो जाएगा। अगस्त 2021 में सत्ता संभालने के बाद से अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था एक-चौथाई सिकुड़ चुकी है। टैक्स से होने वाली कमाई बढ़ी है और काबुल में नई इमारतें भी बन रही हैं, लेकिन तालिबान को कर्मचारियों की तनख्वाह घटानी पड़ी है और लोगों को नौकरी से निकालना पड़ा है। लगता है कि तालिबान ने यह तय कर लिया है कि पाकिस्तान उनकी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में कोई बड़ी भूमिका नहीं निभा सकता। इसलिए वे थोड़े समय की मुश्किलें झेलकर रणनीतिक स्वतंत्रता पाना चाहते हैं।

तालिबान नेताओं को शायद लगता है कि पाकिस्तान के साथ मिलकर तहरीक-ए-तालिबान के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने से उन्हें एक लंबा, महंगा सैन्य अभियान लड़ना पड़ेगा, जो बहुत अलोकप्रिय फैसले और अनिश्चित सैन्य नतीजे देगा। इस बात का अभी कोई अंदाज़ा नहीं कि यह दरार लंबी अवधि में क्या रूप लेगी। अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था को पाकिस्तान की निर्भरता से हटाकर मध्य एशिया, ईरान और चीन से जोड़ना आसान नहीं है, इसके लिए बड़े लॉजिस्टिक इंतज़ाम और निवेश चाहिए। अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों ने पाकिस्तान से इसके अलग होने का समर्थन किया है। ईरान ने तो अपने इलाके से जाने वाले माल पर अच्छी-खासी सब्सिडी भी दी है, लेकिन यह पूरा समाधान नहीं है। इसके लिए ईरान के रास्ते लॉजिस्टिक ढांचा खड़ा करने में भारत का सहयोग बेहद अहम होगा।

भारत के विभाजन के बाद, अफगानिस्तान लगभग पूरी तरह एक दुश्मन पड़ोसी पर निर्भर रह गया। साथ ही, भारत से जुड़े वे व्यापारी नेटवर्क भी टूट गए, जो उसे ईरान और मध्य एशिया से जोड़ते थे। तालिबान यह दांव लगा रहा है कि समय और भू-राजनीतिक परिस्थितियां बदलेंगी और वे इन पुराने नेटवर्क को फिर से खड़ा कर पाएंगे। यह एक बहुत बड़ा दांव है जिसके नतीजे भूकंप जैसे बड़े हो सकते हैं।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

कमला पसंद गुटका कंपनी के मालिक की बहू ने की आत्महत्या

- दिल्ली के घर में मिला शव, भाई का आरोप- पति और सास मारपीट करते थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मशहूर पान मसाला कंपनी कमला पसंद और राजश्री के मालिक कमल किशोर चौरसिया की बहू दीप्ति चौरसिया (40) ने दिल्ली के वसंत विहार स्थित अपने घर में मंगलवार शाम आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, दीप्ति का शव पंखे से लटका हुआ मिला। दीप्ति का शव सबसे पहले उसके पति हरप्रीत चौरसिया ने देखा। हरप्रीत उन्हें अस्पताल लेकर गए, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पुलिस को एक डायरी मिली है, जिसमें दीप्ति ने अपने पति के साथ विवाद का जिक्र किया है। दीप्ति ने डायरी में लिखा, अगर किसी रिश्ते में प्यार और भरोसा नहीं तो फिर उस रिश्ते में रहने की और जीने की वजह क्या है। अब और नहीं सहन हो पाता। बेटे को मां का आशीर्वाद। पुलिस के मुताबिक, दीप्ति और उनके पति अलग-अलग घरों में रहते थे। दीप्ति की 2010 में हरप्रीत चौरसिया से शादी हुई थी। दोनों का 14 साल का एक बेटा है। बताया जा रहा है कि हरप्रीत ने दो शादियां की हैं। दूसरी पत्नी दक्षिण भारतीय फिल्मों की एक्ट्रेस हैं। उसके साथ भी हरप्रीत की एक बेटी है। दीप्ति चौरसिया के भाई ऋषभ ने न्यूज एजेंसी को बताया कि मेरे जीजा (हरप्रीत) के कई अवैध संबंध थे।

संविधान दिवस पर अपना संविधान 9 नई भाषाओं में हुआ जारी

- मुर्मू बोलीं-तीन तलाक खत्म करना सरकार का ऐतिहासिक कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के सेंट्रल हॉल में बुधवार को 150 वां संविधान दिवस मनाया गया। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान को 9 नई भाषाओं मलयालम, मराठी, नेपाली, पंजाबी, बोडो, कश्मीरी, तेलुगु, ओडिया और असमिया में जारी किया। राष्ट्रपति ने कहा- संसद ने तीन तलाक जैसी सामाजिक बुराई को खत्म कर महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। जीएसटी आजादी के बाद सबसे बड़ा टैक्स सुधार है, जिसने देश की आर्थिक एकता को मजबूत किया है। राष्ट्रपति ने बताया- अनुच्छेद 370 हटाने से देश की राजनीतिक एकता में आ रही बाधा दूर हुई। नारी शक्ति बंधन कानून महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की नई शुरुआत करेगा। इस दौरान उन्होंने संविधान की प्रस्तावना भी पढ़ी। दरअसल 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान बनकर तैयार हुआ था। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उपस्थित थे।

- अंबेडकर संविधान के मुख्य निर्माताओं में से एक थे- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, संविधान दिवस के इस ऐतिहासिक अवसर पर आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। 26 नवंबर 1949 को इसी केंद्रीय कक्ष में संविधान सभा के सदस्यों ने भारत का संविधान तैयार करने का काम पूरा किया था। इसी दिन 'हम भारत के लोग' ने अपने संविधान को अपनाया। स्वतंत्रता मिलने के बाद संविधान सभा ने अंतरिम संसद का काम भी किया। डॉ. भीमराव अंबेडकर, जो ड्राफ्टिंग कमेटी के चेयरमैन थे, हमारे संविधान के मुख्य निर्माताओं में से एक थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुवादित संस्करण को 9 भाषाओं में जारी किया।

शरद की सुबह

हमने वन की धूप चुनी है,
छाया का आभास न दो !
रहने दो री ! हमें अकेला,
और अधिक संत्रास न दो !
हम वैरागी रागरहित हैं
सुख - दुख की अभिलाषा क्या !
अपने हित का मिल जाए बस,
आशा और निराशा क्या !
मन टूटा है जुड़ न सकेगा,
व्यर्थ इसे विश्वास न दो !
हमने वन की धूप चुनी.....
मन की तुनकमिज़ाजी है यह,
सखे ! हमारा क्रोध नहीं ।
प्यास हमारी हम ही जाने
तुमको इसका बोध नहीं ।
सो तुमसे है एक निवेदन,
हमको अपनी प्यास न दो !
हमने वन की धूप चुनी.....
हम धरती के उस हिस्से - से
जहाँ उगा करते काँटे ।
अत : हमारी दुनिया निर्जन
तुम से निर्जन क्या बाँटे !
ओ सहचर ! शापित मरुथल को
ठंडेपन की आस न दो !
हमने वन की धूप चुनी.....।

- प्रशांत मिश्रा मन

सुसाइड बॉम्बर उमर का एक और साथी गिरफ्तार

- डॉ. आदिल-शाहीन को फरीदाबाद लाएगी एनआईए

फरीदाबाद (एजेंसी)। दिल्ली ब्लास्ट केस में नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी ने सुसाइड बॉम्बर आतंकी डॉ. उमर नबी के साथी शोएब को गिरफ्तार किया है। शोएब फरीदाबाद के धौज गांव का रहने वाला है। वह अल-फलाह यूनिवर्सिटी में वार्ड बॉय था। उस पर आरोप है कि उसने आतंकी उमर को सामान लाने और ले जाने में मदद की थी। शोएब ने ही नूंह में उमर को अपनी साली अफसाना के घर में कमरा किराए पर दिलाया था। 10 नवंबर को दिल्ली ब्लास्ट से पहले 10 दिन उमर इसी घर में रहा था। विस्फोट वाले दिन, वह नूंह से ही दिल्ली के लिए रवाना हुआ था। दिल्ली ब्लास्ट केस में यह सातवीं गिरफ्तारी है। उधर, आतंकी

उमर की मदद की थी, अब तक 7 आतंकी पकड़े

मॉड्यूल में शामिल डॉ. मुजम्मिल शकील की निशानदेही के बाद अब जांच एजेंसी एनआईए डॉ. आदिल अहमद और डॉ. शाहीन सईद को अल-फलाह यूनिवर्सिटी लाएगी। अभी तक की जांच में सामने आया है कि डॉ. आदिल और डॉ. उमर नबी के बीच कई साल से दोस्ती थी। आदिल कई बार उमर से मिलने के लिए यूनिवर्सिटी आया था। वह यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में उमर के फ्लैट में ही रुकता था। यहां उसकी मुलाकात मुजम्मिल से हुई थी।

मुख्यमंत्री ने 8वीं इंटर स्टेट चैलेंजर्स और 45वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का किया शुभारंभ

प्रदेश में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार युवाओं के चहुँमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। खेल विभाग प्रदेश में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित कर रहा है। भारत की प्राचीन संस्कृति में खेल केवल मनोरंजन नहीं बल्कि अनुशासन, संतुलन और मानसिक दृढ़ता का माध्यम माने गए हैं। पुराने समय में नौकायन, तैराकी और जल प्रशिक्षण को सामरिक और शारीरिक दक्षता का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता था। वही परंपरा आज वॉटर स्पोर्ट्स के रूप में हमारे सामने है। इसमें तकनीक, सहन शक्ति और फोकस का वास्तविक परीक्षण होता है। राज्य सरकार के लिए रोइंग चैंपियनशिप की मेजबानी करना गर्व और आनंद का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को भोपाल के बड़े तालाब स्थित बोट क्लब पर 8वीं इंटर स्टेट चैलेंजर्स और 45वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

- रोइंग चैंपियनशिप की मेजबानी करना राज्य सरकार के लिए गर्व का विषय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चैंपियनशिप के शुभारंभ की घोषणा की। उन्होंने चैंपियनशिप में शामिल 23 राज्यों के लगभग 500 खिलाड़ियों द्वारा देशभक्ति गीतों की धुनों पर प्रस्तुत मार्च पास्ट का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आयोजन स्थल पहुंचने पर उन्हें कैप लगाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय सहित अधिकारी एवं खेल प्रेमी विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों के लिए बेहतर माहौल बना है। भारत अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार उपलब्धियां हासिल कर रहा है। मध्यप्रदेश ने वॉटर स्पोर्ट्स में एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय मंच पर पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। इसी वर्ष हुए 38वें नेशनल गेम्स, खेलो इंडिया, वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टीवल में भी प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल में आयोजित चैंपियनशिप में शामिल होने आए विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों को मध्यप्रदेश की कला-संस्कृति और स्वाद से रू-ब-रू होते हुए भोपाल के आसपास स्थित पर्यटन स्थलों के भ्रमण के लिए भी प्रेरित किया।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग ने कहा कि यह 4 दिवसीय रोइंग चैंपियनशिप, वॉटर स्पोर्ट्स के कुंभ के रूप में स्थापित होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार खेल-खिलाड़ी और खेल मैदान को प्रोत्साहित करने के लिए संपूर्ण प्रदेश में प्रयास कर रही है। खेलों और खिलाड़ियों को आवश्यक प्रशिक्षण के संबंध में राष्ट्रीय के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नॉलेज एक्सचेंज के लिए गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के कोच तथा खिलाड़ी उपस्थित थे।

2027 में दुनिया देखेगी एक बेहद 'दुर्लभ' पूर्ण सूर्यग्रहण

वॉशिंगटन (एजेंसी)। साल 2027 में एक दुनिया एक दुर्लभ पूर्ण सूर्यग्रहण का दीदार करने जा रही है, जिसे 21वीं सदी की होने वाली सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक कहा जा रहा है।

खगोल वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष में दिलचस्पी रखने वालों ने अभी से ही इस तारीख की तैयारियां शुरू कर दी हैं। खगोलविदों का कहना है कि 2 अगस्त 2027 को अंतरिक्ष में पूर्ण सूर्यग्रहण का नजारा होगा। वैसे तो पूर्ण सूर्यग्रहण हर साल या फिर साल के अंतराल पर होता रहता है लेकिन अगस्त 2027 में होने वाला ग्रहण अपनी लंबी अवधि के लिए बहुत खास हो गया है। यह खगोलविदों को ब्रह्मांड के रहस्यों को जानने के लिए एक मौका होगा। 2 अगस्त 2027 का सूर्यग्रहण ऐसी घटना होगी जिसे पीढ़ियां याद रखेंगी। यह 21वें सदी का सबसे लंबा पूर्ण सूर्यग्रहण होगा। एजेंसी के अनुसार, इस दौरान प्रभावित इलाके 6 मिनट 23 सेकंड के लिए गहरे अंधेरे में डूब जाएंगे। इतने समय तक चंद्रमा सूर्य के कोरोना को पूरी तरह ढके रहेगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि इतना लंबा पूर्ण सूर्यगहण पिछली सदी में नहीं देखा गया था और इसे अगले 100 साल तक देखना संभव नहीं होगा। पूर्ण सूर्यग्रहण के दौरान सूर्य का कोरोना छिप जाने से दिन में शाम जैसा नजारा होगा। इस दौरान तापमान 5 से 10 डिग्री गिर सकता है। हवा की दिशा बदल सकती है। यह सूर्यग्रहण खगोलविदों के लिए अंतरिक्ष के रहस्यों को समझने का दुर्लभ अवसर भी होगा। आमतौर पर पूर्ण सूर्यग्रहण 3 मिनट से भी कम के होते हैं।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 27 °c | न्यूनतम 23°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 27 नवंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

अहमदाबाद करेगा 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स को होस्ट

● भारत के लिए खुशखबरी, 20 साल बाद मिली मेजबानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 20 साल बाद कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करेगा और बुधवार को ग्लास्गो में कॉमनवेल्थ गेम्स की आमसभा की बैठक में अहमदाबाद को मेजबान के तौर पर औपचारिक मंजूरी मिल गई। बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल)

कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पी टी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोगों ने किया। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डॉ डोनाल्ड रुकारे ने कहा, 'यह कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए एक नए सुनहरे दौर की शुरुआत है। भारत व्यापकता, युवा शक्ति, महत्वाकांक्षा, समृद्ध संस्कृति, अपार खेल-जुनून और प्रासंगिकता लेकर आता है। हम कॉमनवेल्थ गेम्स के अगले शतक की शुरुआत मजबूत स्थिति में कर रहे हैं।' राष्ट्रमंडल खेल 2030 में अपने सौ साल भी पूरे कर रहे हैं लिहाजा यह संस्करण विशेष रहने वाला है।

बंगाल में बाबरी मस्जिद शिलान्यास के पोस्टर लगे

● टीएमसी विधायक बोले- 6 दिसंबर को नींव रखेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में मंगलवार देर रात बाबरी मस्जिद के शिलान्यास के पोस्टर लगाए गए। इन पर लिखा है- 6 दिसंबर को बेलडांगा में बाबरी मस्जिद का शिलान्यास समारोह होगा। तृणमूल कांग्रेस विधायक हुमायूं कबीर को आयोजनकर्ता बताया गया है। खुद कबीर ने मंगलवार को कहा, हम 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद की नींव रखेंगे। तीन साल में इसका निर्माण पूरा होगा। कार्यक्रम

में कई मुस्लिम नेता शामिल होंगे। अयोध्या में विवादित ढांचा 6 दिसंबर 1992 को कार सेवकों ने ध्वस्त कर दिया था। अगले महीने बाबरी विध्वंस के 33 साल पूरे हो जाएंगे। टीएसी विधायक का कहना है कि इसी मौके पर यह आयोजन किया जाएगा। टीएमसी विधायक का यह बयान तब सामने आया है जब मंगलवार को अयोध्या में पीएम मोदी ने राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण का मतलब है मंदिर अब पूर्ण हो गया।

नंबर 1 और 2, अब दोनों एनडीए के साथ

● स्थानीय चुनावों से पहले महाराष्ट्र में नया खेला

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों से ऐन पहले सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति ने विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी को बड़ा झटका दिया है। एक तरफ जहां विपक्षी गठबंधन की एकता खतरे में है, और साथी दलों के बीच स्थानीय चुनावों को लेकर आम राय नहीं बन पा रही है, वहीं उनके समर्थकों को लामबंद रखने का जोखिम भी बढ़ा हुआ है। इसी बीच, सत्तारूढ़ गठबंधन ने खेला कर दिया है। दरअसल, पिछले साल हुए महाराष्ट्र विधानसभा में 43 सीटों पर उपविजेता रहे यानी नंबर दो

पर रहे विपक्षी उम्मीदवारों को महायुति ने अब अपने साथ कर लिया है। इन 43 उप विजेताओं में सबसे ज्यादा भाजपा में शामिल हुए हैं। इनके अलावा तीन निर्दलीय उप विजेता भी भाजपा में शामिल हो गए हैं। पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों में कुल 288 सीटों में से 235 पर महायुति ने जीत हासिल की थी, जबकि एमवीए सिर्फ 50 सीटें ही जीत पाया था। तीन निर्दलीयों समेत कुल 46 उपविजेताओं में से सबसे ज्यादा 26 भाजपा में शामिल हुए हैं, जबकि 13 अजित पवार की एनसीपी में और 7 एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए हैं।

जम्मू-कश्मीर में बर्फ की तरह जम गया पाला

● राजस्थान में बारिश का अलर्ट, अब सर्दी बढ़ेगी ● एमपी में रात गर्म, दिन ठंडे हुए, मौसम बेईमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पहाड़ी राज्यों की बर्फबारी से मैदानी इलाकों में सर्दी बढ़ रही है। इस बीच राजस्थान में बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 27 नवंबर से उदयपुर, जोधपुर, अजमेर संभाग के जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। इससे सर्दी बढ़ेगी। मध्य प्रदेश में रात को गर्मी और दिन में ठंडक बढ़ गई है। दरअसल प्रदेश में हवा की दिशा बदलने से उत्तरी हवाएं नहीं आ रही हैं, इससे रात का तापमान बढ़ गया है। दूसरी ओर बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर एरिया एक्टिव है। जिसकी वजह से प्रदेश में हल्के बादल हैं। इससे दिन में ठंडक बढ़ गई है। इधर जम्मू-कश्मीर में भी कड़ाके की सर्दी है, पहलगाम में न्यूनतम तापमान माइनस 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इलाके में पाला बर्फ की तरह जम गया है। वहीं, उत्तराखंड के केदारनाथ और आदि कैलाश में तापमान माइनस 16 डिग्री चला गया है। उधर बिहार में बीते कुछ दिनों से सर्दी बढ़ गई है। मंगलवार को पटना, बेतिया, बगहा, समस्तीपुर गोपालगंज, मधेपुरा, सुपौल, बेगूसराय, जहानाबाद समेत 10 से ज्यादा जिलों में सुबह घना कोहरा देखने को मिला। अगले 24 घंटे में तापमान में 1-3 डिग्री तक गिरावट आ सकती है। राजस्थान में उत्तर-पश्चिमी हवा के प्रभाव से मंगलवार को तापमान में उतार-चढ़ाव रहा। सर्द हवा से दिन के अधिकतम तापमान में गिरावट हुई। सभी शहरों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। 27 नवंबर से एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस राजस्थान में एक्टिव होगा। जिसके प्रभाव से मौसम में बदलाव होगा। इस सिस्टम के असर से जयपुर, अजमेर, उदयपुर और जोधपुर संभाग एरिया में 2 दिन हल्की बारिश हो सकती है।

कर्नाटक सीएम विवाद सोनिया राहुल और मैं खुद सुलझाएंगे

● खड़गे बोले-वहां की जनता ही बता सकती है कि सरकार कैसा काम कर रही है

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कहा कि पार्टी हाईकमान इस समस्या को सुलझा लेंगे, जरूरत पड़ने पर मध्यस्थता भी करेंगे। उन्होंने एजेंसी से बातचीत में कहा, वहां की जनता ही बता सकती है कि सरकार कैसा काम कर रही है। लेकिन मैं इतना जरूर कहूंगा कि में राहुल गांधी, सोनिया गांधी एक साथ बैठकर इस पर चर्चा करेंगे। इधर, कर्नाटक बीजेपी ने मंगलवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का एआई वीडियो जारी किया। इसमें शिवकुमार लैपटॉप में ऑनलाइन मुख्यमंत्री कुर्सी खरीद रहे हैं, लेकिन जैसे ही वह इसे कार्ट में जोड़ते हैं, स्क्रीन पर आउट ऑफ स्टॉक लिखा आता है। साथ ही कैप्शन में लिखा-सीएम शिवकुमार अभी।

विस्फोटक यूनिट और हथियार फैक्ट्री का है प्लान

देश की सीमाओं की सुरक्षा अब बिहार से!

'1 करोड़ नौकरी' के लिए सीएम नीतिश का रोडमैप

पटना (एजेंसी)। बिहार में डिफेंस कॉरिडोर,सेमी कंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग पार्क, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, मेगा टेक सिटी और फिनटेक सिटी की स्थापना की जाएगी। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने कहा कि उद्योगों का जाल बिछाने के लिए वृहद कार्ययोजना तैयार कर योजनाओं को क्रियान्वित किया जाएगा। डिफेंस कॉरिडोर देश की रक्षा जरूरतों को पूरा करने, आत्मनिर्भरता बढ़ाने और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करने में सहायक होंगे। डिफेंस कॉरिडोर के तहत विस्फोटक उत्पादन इकाइयां स्थापित होगी। जिसमें पाकिस्तान और चीन सहित देश की सभी सीमाओं पर सैन्य अभियानों में उपयोग होने वाले विस्फोटक बनाने वाली फैक्ट्रियां स्थापित होंगी, जो रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बल देंगी।

रक्षा उपकरणों के लिए विशेष सेमीकंडक्टर पार्क की होगी स्थापना- इसके अलावा स्थानीय रोज़गार को बढ़ावा देने के लिए हर जिले में रक्षा-संबंधी फैक्ट्रियां, माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज पार्क और औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। साथ ही रक्षा उपकरणों के लिए आवश्यक चिप और इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्माण के लिए एक विशेष सेमीकंडक्टर पार्क बनाया जाएगा। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर के ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स , मेगा टेक सिटी (आईटी और इनोवेशन हब) और फिनटेक सिटी (फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी केंद्र) बनाए जाएंगे।

बिहार आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस मिशन की स्थापना भी होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की जनसंख्या में युवाओं की भागीदारी काफी अधिक है। इसको सार्थक दिशा देने पर बिहार देश का सबसे तेजी से विकास करने वाला राज्य बन सकता है। बिहार के बड़ी संख्या में उपलब्ध युवा मानव संसाधन को ध्यान में रखते हुए बिहार को पूर्वी भारत के नए टेक्नोलॉजी हब के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए राज्य में नई चीनी मिलों की स्थापना एवं पुरानी बंद पड़ी चीनी मिलों को पुन : चालू करने के लिए नीति एवं कार्ययोजना बनाई गई है। इसके साथ ही राज्य के सभी प्रमुख शहरों को बेहतर एवं सुंदर बनाने की योजना पर कार्य करने हेतु तैयारी एवं नई तकनीकों का उपयोग कर राज्य को अग्रणी बनाने के लिए बिहार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन की स्थापना की जाएगी।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष बोले-

पार्टी में कोई गुटबाजी नहीं

सागर में स्वागत करने मंत्री-विधायकों का शक्ति प्रदर्शन, बंद कमरे टटोली नब्ज

सागर (नप्र)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल बुधवार को सागर पहुंचे। मोतीनगर चौराहे पर उनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान मंत्री और विधायकों के समर्थक अपने-अपने नेताओं के पक्ष में नारेबाजी करते हुए नजर आए। सभी नेताओं ने अपना शक्ति प्रदर्शन किया।

मोतीनगर चौराहे से स्वागत रथ पर सवार होकर प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल भाजपा कार्यालय पहुंचे। रास्ते में जगह-जगह बुंदेली परंपरा और पुष्पवर्षा कर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। रथ पर उनके साथ जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी, सांसद लता वानखेड़े, कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव, पूर्व गृहमंत्री भूपेंद्र सिंह, सागर विधायक शैलेंद्र जैन, नरयावली विधायक प्रदीप लारिया समेत अन्य मौजूद थे।

भाजपा कार्यालय पहुंचकर प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल ने सागर शहर और ग्रामीण जिले की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। उन्होंने पार्टी की रीति-नीति के बारे में बात की। इसके बाद उन्होंने सांसद, जिला अध्यक्ष और विधायकों की बंद कमरे में बैठक ली। बैठक में सागर में पार्टी की स्थिति और अन्य बिंदुओं को लेकर चर्चा की। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वे प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद सागर पहली बार आए हैं। यहां पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की बैठक में शामिल होने आया हूं। सागर में पार्टी की गुटबाजी के सवाल पर बोले कि पार्टी में कोई गुटबाजी नहीं है। मेरे आने के बाद बात देखना, ऐसा कुछ नहीं है। इस दौरान भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष रानी कुशवाहा, देवरी विधायक बृजबिहारी पटेरिया, बंडा विधायक वीरेंद्र सिंह समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

'जल जीवन' मिशन को लगा बट्टा

● सात राज्यों पर चला पेनाल्टी का डंडा, पीएम खुद कर रहे निगरानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारियों को जल जीवन मिशन योजना में गड़बड़ी और अनियमितता करने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया है। इस कड़ी में राजस्थान समेत सात राज्यों के ठेकेदारों पर 129 करोड़ रुपए से ज्यादा का जुर्माना लगाया गया है। पेयजल और स्वच्छता विभाग और जल शक्ति मंत्रालय के तहत जेजेएम का काम की देखरेख करने वाले अधिकारियों के मुताबिक प्रधानमंत्री का केवल यही कहना है कि भारत सरकार ने योजना हर घर तक पानी पहुंचाने के अंतिम लक्ष्य के साथ शुरू की। ऐसे में किसी के द्वारा की गई किसी भी अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हर हाल में कार्रवाई होगी। सरकार के मंत्री ने संसद में कहा कि किसी को भी छोड़ा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने मिली शिकायतों पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। ऐसे में प्रदेश वार शिकायतों को देखा जा रहा है। राज्यों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। कार्रवाई शुरू हो चुकी है। सात राज्यों-तमिलनाडु, त्रिपुरा, गुजरात असम, महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान के ठेकेदारों पर जुर्माना लगाया गया है। इसमें से 12.95 करोड़ रुपए पहले ही वसूले जा चुके हैं। सबसे ज्यादा जुर्माना वसूली गुजरात से 120.65 करोड़ रुपए और उसके बाद राजस्थान में 5.34 करोड़ रुपए वसूली की। उत्तर प्रदेश ने जिन 119 मामलों में कार्रवाई की उनमें से 113 में 0.1 फीसदी से 10 फीसदी तक क्षतिपूर्ति लगाई गई है। अधिकारियों ने बताया कि बाकी मामलों में ठेकेदारों का दायरा 43 गांव से घटकर 112 गांव कर दिए गया है। बता दें कि पहले 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कम से कम 596 अधिकारियों, 852 ठेकेदारों, 152 थर्ड पार्टी एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी।

एनआईए का एक और ऐक्शन

अब नूंह से वकील गिरफ्तार

● रिजवान पर पाक के लिए जासूसी का है आरोप, पूछताछ जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंडीगढ़ दिल्ली ब्लास्ट की जांच अभी चल ही रही थी कि एनआईए का एक और तगड़ा ऐक्शन सामने आया है। एनआईए और पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में हरियाणा के नूंह जिले से एक वकील को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान तावडू खंड के गांव खरखड़ी के रहने वाले रिजवान पुत्र जुबेर के रूप में हुई है। रिजवान गुरुग्राम कोर्ट में प्रैक्टिस करता है। सूत्रों के मुताबिक रिजवान का एक साथी वकील भी हिरासत में लिया गया है, जिससे पूछताछ जारी है। रिजवान पर आरोप है कि उसने पाकिस्तान में कुछ लोगों से ऑनलाइन संपर्क किया और संदिग्ध वित्तीय लेन-देन किया। जांच एजेंसियों को जब इसकी भनक लगी तो छानबीन शुरू हुई। रिजवान के मोबाइल में वॉट्सऐप चैट, कॉल डिटेल और अन्य डिजिटल साक्ष्य मिले, जिनके आधार पर उसे हिरासत में लिया गया। रिजवान के परिवार के कुछ लोग बंटवारे के समय पाकिस्तान चले गए थे। इसके बाद से रिजवान और इसके परिवार का पाकिस्तान आना-जाना लगा रहता है। रिजवान भी पाकिस्तान जा चुका है। इसके बाद वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के संपर्क में आ गया।जांच एजेंसी अब आरोपी रिजवान से पूछताछ कर रही है। पता लगाया जा रहा है कि वह कितनी बार पाकिस्तान गया और किसकी मदद से गया। वहीं, रिजवान के परिजनों ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनके पिता जुबैर ने बताया कि पाकिस्तान में हमारे रिश्तेदार हैं और उनसे सामान्य बातचीत होती रहती है, लेकिन देश विरोधी किसी भी गतिविधि में रिजवान शामिल नहीं है। 24 नवंबर की शाम रिजवान सोहना कोर्ट से घर लौट रहा था। रास्ते में अपने साथी के साथ वो ससुराल में रुक गया। अचानक से पुलिस ने उसे उठा लिया। दो दिन पूछताछ के बाद बुधवार सुबह दिल्ली और स्थानीय पुलिस की टीम गांव पहुंची और घर की तलाशी ली। रिजवान के कमरे से कुछ दस्तावेज बरामद करने के बाद उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। गांव के सरपंच अशफाक ने कहा कि रिजवान एक काबिल वकील है। गुरुग्राम, नूंह और सोहना कोर्ट में प्रैक्टिस करता है। उसका सम्मानित परिवार है, कभी ऐसी कोई शिकायत नहीं आई।

अधिकारों से पहले कर्तव्य जरूरी, गुलामी की मानसिकता छोड़ें

● सीएम बोले-भारत ने पहले दिन से ही हर वयस्क नागरिक को मताधिकार दिया

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को संविधान दिवस के मौके पर आयोजित अमृत महोत्सव समारोह को संबोधित किया। लोकभवन में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है, जो देश की अनेकता में एकता का प्रतीक है। उन्होंने डॉ. भीमराव अम्बेडकर को संविधान का शिल्पी बताते हुए सभी को 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहे संविधान के प्रति गर्व की अनुभूति करने को कहा। उन्होंने कहा कि भारत इकलौता देश है जहां पहले दिन से ही हर व्यस्क नागरिकों को मताधिकार दिया गया है। सीएम योगी ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को संविधान अंगीकृत हुआ था और 2015 से पूरे देश में इसे संविधान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

कैफे संचालक छात्रा ने फांसी लगाई

इंदौर। हीरानगर क्षेत्र में सोमवार शाम 19 वर्षीय छात्रा प्रियांशी राव ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रियांशी अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर घर के पास कैफे चलाती थी। सोमवार को वह कैफे नहीं पहुंची तो दोस्तों ने उसे फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव न होने पर वे उसके घर पहुंचे। कमरे की स्थिति संदिग्ध देखकर पुलिस को सूचना दी गई। टीआई सुशील पटेल के अनुसार, कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने उसका मोबाइल जब्त कर लिया है। परिजनों और दोस्तों के अनुसार, कुछ दिन पहले उसका चेस्ट का ऑपरेशन हुआ था, जिसके बाद से वह तनाव में चल रही थी। प्रियांशी देवास जिले के बरोठा गांव की रहने वाली थी। उसके पिता किसान हैं और दो बहनें हैं। इंदौर में वह पढ़ाई के साथ पीएस डिप्लोमा भी कर रही थी। वह अपने दोस्तों में नवीन से अधिक बातचीत करती थी। नवीन इस समय होशंगाबाद में है, उसके लौटने पर पूछताछ की जाएगी।

नए ट्रैफिक प्रहरियों को प्रोत्साहन दिया

इंदौर। शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुचारू और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने मंगलवार को 'ट्रैफिक प्रहरी' अभियान में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले 05 ट्रैफिक प्रहरियों को सम्मानित किया। यह सम्मान सड़क सुरक्षा जनजागरूकता और विभिन्न प्रमुख चौराहों पर उत्कृष्ट सेवा देने के लिए प्रदान किया गया। कार्यक्रम में राजकुमार जैन, मुरली खंडेलवाल, विजय बारोले, कृष्ण बिहारी जाटव और सुनीता सिरसाट को शील्ड, प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही अभियान से नए जुड़े 10 ट्रैफिक प्रहरियों को कैप, जैकेट,सिटी,लाइट बेटन और अन्य सामग्री दी गई, ताकि वे जनहित में बेहतर ढंग से सेवा दे सकें। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि अब तक 1803 जागरूक नागरिक इस अभियान से जुड़कर विभिन्न चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस का सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने आमजन से भी इस मुहिम का हिस्सा बनने की अपील की, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सके।

युवती को परेशान करने पर शिकायत

इंदौर। हीरानगर पुलिस ने एक डॉग लवर्स युवती को बदनाम करने के मामले में तीन युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। पुलिस ने बताया कि इलाके में रहने वाली एक आर्टिस्ट मंगलवार को थाने आई। उसने बताया कि वह डॉग लवर्स है। सोशल मीडिया पर कई पोस्ट डालती हैं। कुछ दिन पहले अर्पित कुमावत ने इंस्टाग्राम आईडी पर उसका एक वीडियो अपलोड किया था। वीडियो में बताया गया कि युवती डॉग्स को खाने में जहर मिलाकर देती है। अन्य लोगों के जब इस मामले में कॉल आए तो युवती ने मामले में आरोपियों को लेकर शिकायत कर दी। उसने व्हाट्सएप के स्टेटस पर भी इस तरह का वीडियो लगाया। उसके साथी रोहन और हर्ष ने इस पर कमेंट्स किए और एड्रेस लिखकर धमकी दी।

बदमाश और उसके साथी से पिस्टल बरामद

इंदौर। कई अपराधों में लिप्त रहने पर जिला बदर किए गए बदमाश और उसके साथी से दो पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किया है। बदमाश बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घातक हथियार लेकर घुम रहे थे। द्वारकापुरी पुलिस के अनुसार, पकड़े गए बदमाशों में प्रिंस पिता जितू उर्फ फत्तू राठौर(जिलाबदर) निवासी ऋषि पैलेस कालोनी और उसका साथी लक्कू उर्फ अमितेष पिता सुनील कहार निवासी ऋषि नगर है। प्रिंस पर इंदौर शहर और देहात क्षेत्रों के कई थानों में हत्या के प्रयास, अवैध वसूली, धमकाने, मारपीट, अड़ीबाजी और अवैध हथियार रखने जैसे गंभीर अपराध दर्ज हैं। उसे पिछले दिनों एक वर्ष के लिए इंदौर जिले सहित उज्जैन, देवास, खरगोन और धार की सीमाओं से जिला बदर किया गया था, लेकिन वह आदेश का उल्लंघन करते हुए शहर में रहकर फिर से आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाया गया। वहीं लक्कू से भी देशी पिस्टल और जिंदा कारतूस किया है।

चलती क्रेटा में आग लगी, हादसा टला

इंदौर। बंगाली चौराहा क्षेत्र में मंगलवार दोपहर कनाडिया रोड से पलासिया की ओर आ रही क्रेटा कार क्रमांक एमपी-09-डब्ल्यूजे-6914 में अचानक आग लग गई। वाहन के आगे वाले हिस्से से धुआं निकलते ही चालक नीचे उतर गया, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। आग देखते ही चौराहे पर अफरा-तफरी मची और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर मौजूद सोनू दीवान निवासी संविद नगर, उनके साथी और पास के राहगीरों ने नजदीकी फिंगर फैक्ट्री ऑफिस से बोरिंग के पानी से आग बुझाने की कोशिश की। लगातार प्रयास से लपटों पर काफी हद तक काबू पा लिया गया। घटना की सूचना खजराना एसीपी कुंदन मंडलोई को दी। कुछ ही देर में खजराना और तिलक नगर थाना टीमें पहुंच गईं। पुलिस ने ट्रैफिक रोककर वाहन को किनारे लगवाया। थोड़ी देर बाद फायर ब्रिगेड और जोन 19 का नगर निगम टैंकर भी आ गया।

महिला टीचर से छेड़छाड़ का आरोप

इंदौर। वीर सावरकर नगर स्थित सत्संग भवन के चौकीदार पर महिला टीचर से छेड़छाड़ और धमकाने का मामला दर्ज हुआ है। पीड़िता हाईकोर्ट वकील की पत्नी है और नजदीक ही एक अपार्टमेंट में रहती है। महिला के अनुसार, आरोपी चौकीदार अशोक उनके बेडरूम में झांक रहा था और इस दौरान उसने अश्लील टिप्पणी भी की। जब महिला और उनके पति ने उसे रोका तो वह विवाद करने लगा। बाहर आकर उसने दंपती से मारपीट भी की। बीच-बचाव करने पहुंची महिला के साथ गलत हरकत करते हुए चौकीदार ने उन्हें छुआ। परिवार ने तुरंत पुलिस की 112 डायल कर सहायता मांगी, लेकिन आरोपी पुलिस के सामने भी पति को धमकाता रहा। बाद में सत्संग भवन से जुड़े कुछ लोग चौकीदार को थाने से ले गए और मामले को शांत कराने का दबाव भी बनाया गया। महिला का आरोप है कि थाने में भी आरोपी ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया। पुलिस मामले की जांच जारी है।

नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़, हाथ पकड़ा, एफआईआर दर्ज की गई

जब छात्रा की मां ने आपत्ति जताई, तो आरोपी ने धमकाया

इंदौर। एक नाबालिग छात्रा से रास्ते में छेड़छाड़ करने और धमकाने का मामला सामने आया। आरोपी ने छात्रा की मां के सामने ही नाबालिग छात्रा का हाथ पकड़ा और उसे साथ चलने को कहा। मामले की शिकायत के बाद तुकोगंज पुलिस ने युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर तलाश की रही है। जानकारी के मुताबिक, भागीरथपुरा निवासी ब्यूटी पार्लर की संचालिका मंगलवार को अपनी दो बेटियों के साथ तुकोगंज थाने पहुंचीं। महिला ने बताया कि उनकी छोटी बेटी के स्कूल का कार्यक्रम रविंद्र नाट्य ग्रह में था। कार्यक्रम के बाद वे बड़ी बेटी के साथ घर के लिए निकलीं, तभी बाणगंगा का पीयूष उर्फ वीर सावरिया उनका पीछा करने लगा। कुछ दूरी चलने के बाद उसने छात्रा को आवाज देकर रोका और उसका हाथ पकड़ लिया। छात्रा से कहा कि आज तुम्हारा बर्थडे है, चलो बाहर कहीं सेलिब्रेट करते हैं। जब छात्रा की मां ने आपत्ति जताई, तो आरोपी धमकाने लगा। महिला के शोर मचाने और आसपास के लोगों के एकत्र होने पर आरोपी मौके से भाग गया। छात्रा ने पुलिस को बताया कि स्कूल आने-जाने के दौरान भी आरोपी अक्सर उसका पीछा करता है और बातचीत के लिए दबाव बनाता है।

'मेट्रो प्रोजेक्ट' में बदलाव का मुद्दा हाई कोर्ट पहुंचा, प्रशासन से पूरी प्रोजेक्ट रिपोर्ट मांगी

अंडरग्राउंड हिस्से और प्लानिंग के खिलाफ तीन जनहित याचिका दायर हुई

इंदौर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने मेट्रो प्रोजेक्ट के अंडरग्राउंड हिस्से और प्लानिंग के विरोध में लगी जनहित याचिका सुनवाई करते हुए शासन से प्रोजेक्ट की पूरी रिपोर्ट मांगी है। शासन को निर्देश दिए गए कि मेट्रो प्रोजेक्ट की डिजाइन, प्रोजेक्ट की फेस वाइस समय सीमा के साथ कितने दिनों में कितना काम होगा, जैसी जानकारियां कोर्ट में पेश की जाए। शहर के तीन लोगों ने ऐसी याचिकाएं दायर की है। इस मामले में अगली सुनवाई 8 दिसंबर को होगी। सरकारी वकील ने आरोप लगाया कि लोकप्रियता पाने और जमीन बचाने के लिए कुछ लोगों ने ऐसी याचिका दायर की है। कोर्ट में पैरवी कर रहे याचिकाकर्ता किशोर कोडवानी की योग्यता पर भी वकील ने सवाल खड़े किए। इस पर कोडवानी ने पलटवार करते हुए मेट्रो रेल कारपोरेशन के बोर्ड के सदस्यों की योग्यता को ही कटघरे में खड़ा किया।

उन्होंने कोर्ट को बताया कि इसमें एक भी डायरेक्टर ऐसा नहीं है, जिसके पास रेल प्रोजेक्ट का अनुभव या तकनीकी डिग्री हो। शहर के तीन नागरिकों किशोर कोडवानी, शेखर गिरी और महेश वर्मा ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। कोडवानी शहर के मुद्दों पर आवाज उठाने के लिए जाने जाते हैं। वे ही खुद याचिका पर सुनवाई के लिए कोर्ट में दलील भी दे रहे हैं। कोडवानी ने इस दौरान इसके कारण होने वाले नुकसान और उसके बगैर इजाजत के काम शुरू करने का तर्क कोर्ट के सामने रखा और कहा कि सरकार ही खुद नियम तोड़ रही है।

इस प्रोजेक्ट का विरोध इसलिए

दायर याचिका में मेट्रो से शहर की पुरातात्विक धरोहरों को नुकसान होने का अंदेशा जताया गया। यह भी कहा गया कि इससे भूजल की स्थिति में भी बदलाव आ सकता है। याचिका के साथ मेट्रो का काम रुकवाने का आवेदन भी कोर्ट में लगाया गया। मंगलवार की सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से पेश हुए वकील ने कोर्ट के समक्ष याचिका के औचित्य पर सवाल खड़ा किया। तर्क दिया कि जनहित का कोई मुद्दा नहीं है, ये केवल लोकप्रियता पाने और अपनी जमीन बचाने के लिए कोर्ट में आए हैं। इस पर कोडवानी ने कोर्ट में कहा कि मेरी कोई जमीन वहां नहीं है, मैं केवल शहर के लिए कोर्ट आया हूं। मुझ पर आरोप लगा रहे हैं। जबकि, सरकार मेट्रो से प्रचार पाने में लगी है। सरकार के रोजाना नए-नए बयान सामने आ रहे हैं। इस प्रोजेक्ट की इजाजत कहां से हुई ये ही स्पष्ट नहीं किया जा रहा।

जिला योजना समिति ही नहीं

हाई कोर्ट ने कोडवानी से पूछा कि क्या उन्होंने कोर्ट आने के पहले अपना प्रेजेंटेशन कभी सरकार के समक्ष रखा है! इस पर कोडवानी ने कोर्ट का ही पुराना फैसला पेश करते हुए कहा कि प्रोजेक्ट की अनुमति के लिए जिला योजना समिति की सहमति की आवश्यकता है। लेकिन, इंदौर में जिला योजना समिति ही नहीं बनी। असल में तो संवैधानिक नियमों का उल्लंघन खुद सरकार की ओर से किया जा रहा है। कोर्ट के आदेश के पालन के तहत मुझे जानकारी दी जानी चाहिए थी, न तो जानकारी दी गई, न ही मेरे तथ्यों को सुना गया।

अनुमति का अधिकार राष्ट्रपति को

किसी भी शहर की पुरातात्विक इमारतों के आसपास किसी भी तरह की अनुमति का अधिकार राष्ट्रपति के पास है। लेकिन, उनसे कोई अनुमति नहीं ली गई। सरकार नियमों का उल्लंघन करते हुए काम कर रही है। काम शुरू तो कर दिया गया लेकिन प्रोजेक्ट का प्रारूप और प्लानिंग ही फाइनल नहीं है। ये मनमर्जी से काम किए जा रहे हैं। रोजाना सरकार के मंत्री और अफसर प्रोजेक्ट को लेकर अलग-अलग बयान देते हैं। शहर के भूमिगत जल पर भी असर पड़ेगा, लेकिन पर्यावरण की एनओसी लेने की जहमत तक नहीं उठाई गई है।

कोर्ट ने मांगी पूरी प्रोजेक्ट रिपोर्ट

कोडवानी के पूर्व में कोर्ट के फैसले और अन्य दलीलों के बाद कोर्ट ने साफ कहा कि विकास के दौरान परेशानी आती है, ये बात सही है। लेकिन, कब तक और किस स्तर तक ये भी जनता को जानना जरूरी है। ऐसे में इसकी पूरी प्रोजेक्ट रिपोर्ट प्रशासन पेश करे, उसके बाद हम देखते हैं कि इस पर रोक लगाई जाए या नहीं।

केन्याई नागरिक के मामले में पुलिस ने भी लापरवाही मानी, रिकॉर्ड खंगाला जाएगा

पासपोर्ट तो वैध, लेकिन उसका वीजा वर्ष 1996 में ही समाप्त हो गया

इंदौर। एमआईजी इलाके के गायत्री नगर में रह रहे केन्या के नागरिक रिचर्ड्स एस मायका का पुराना वीजा मामला एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया। वरिष्ठ अधिकारियों को जब उसकी जानकारी मिली तो क्राइम ब्रांच ने तुरंत जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि उसका पासपोर्ट तो वैध है, लेकिन उसका वीजा वर्ष 1996 में ही समाप्त गया। इस आधार पर उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। कोर्ट के आदेश के चलते वह इंदौर छोड़कर नहीं जा सकता था और नियमित रूप से अदालत में पेश होता था। रिचर्ड्स पर पहली बार 2018 में कार्रवाई हुई थी, जब यह पता चला कि वह वीजा खत्म होने के बाद भी इंदौर में रह रहा है। उस समय उसके खिलाफ फेमा एक्ट में केस दर्ज किया गया था और उसके पूर्व मकान मालिक पर धारा 188 में मामला बना। बाद में वह गायत्री नगर में शेखर कुशवाहा के घर किराए पर रहने लगा। पुलिस जांच में यह स्पष्ट हुआ कि शेखर ने नियम अनुसार उसकी जानकारी थाने में दी थी।

कोरोना में किया इलाज

रिचर्ड्स पेशे से डॉक्टर है। पुलिस पूछताछ

के दौरान पड़ोसियों ने बताया कि उसका स्वभाव शांत है और वह सभी से अच्छे संबंध रखता है। कोरोना काल में उसने कई लोगों को प्राथमिक उपचार भी दिया था और लोग उसे अपनी क्षमता अनुसार आर्थिक मदद कर देते थे। उसके परिवार से भी समय-समय पर केन्या से आर्थिक सहायता मिलती रहती है। जांच से पता चला कि रिचर्डसन 1991 में पढ़ाई के लिए इंदौर आया था और डीएवीवी से शिक्षा प्राप्त की। वीजा समाप्त होने के बाद उसने कभी नया वीजा आवेदन नहीं किया। सोशल मीडिया पर की गई उसकी पोस्ट को लेकर पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह अपने देश के हालात को लेकर लिखता था और वह पोस्ट हटाने की बात भी मान ली।

पासपोर्ट बनना मुश्किल

उसने बताया कि उसने पासपोर्ट नवीनीकरण की कोशिश की थी, लेकिन जरूरी दस्तावेज अदालत में जमा होने के कारण आवेदन स्वीकार नहीं हुआ। वहीं सूत्रों का कहना है कि भारतीय कानून के तहत उसका पासपोर्ट निरस्त हो चुका है, इसलिए वह भारत में रहते हुए नया पासपोर्ट या वीजा नहीं बनवा सकता। पुलिस अब इस मामले में अपनी पूर्व लापरवाही को लेकर कई सवालों के घेरे में है। जबकि, अधिकारी दावा कर रहे हैं कि आगे से विदेशी नागरिकों की निगरानी और दस्तावेज जांच की प्रक्रिया सख्ती से की जाएगी। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (क्राइम ब्रांच) राजेश दंडोतिया ने कहा कि इस मामले में स्थानीय पुलिस से गंभीर चूक हुई है, जिसके बाद अब शहर में रह रहे सभी विदेशी नागरिकों का रिकॉर्ड दोबारा जांचा जा रहा है।

भ्रष्टाचार केस में पंचायत कर्मी की 71.73 लाख की संपत्ति राजसात

विशेष न्यायालय ने अवैध संपत्ति अर्जन को बताया गंभीर कदाचार

इंदौर/अलीराजपुर। भ्रष्टाचार के गंभीर मामले में ग्राम पंचायत बड़ी बेकल (तहसील सोंडवा, जिला अलीराजपुर) के सचिव हनीफ खान और उनकी पत्नी शबीना खान की अनुपातहीन संपत्ति को विशेष न्यायालय इंदौर ने राजसात कर राज्य सरकार के पक्ष में अधिहरण कर दिया है।

यह कार्रवाई भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत पंजीबद्ध अपराध क्रमांक 441/2014 में की गई। प्रकरण 30 सितंबर 2014 को दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप था कि आरोपी हनीफ खान ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए आय से अधिक चल-अचल संपत्ति अर्जित की। मप्र विशेष न्यायालय अधिनियम 2011 के तहत 20

जून 2022 को 91,79,536.84 रुपये मूल्य की संपत्ति राजसात करने का प्रस्ताव न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विशेष न्यायालय ने 25 नवंबर 2025 को मामले का निर्णय सुनाते हुए 71,73,739 रुपये मूल्य की अनुपातहीन संपत्ति को मध्यप्रदेश शासन के अधीन राजसात करने का आदेश पारित किया। साथ ही जिला कलेक्टर, अलीराजपुर को उक्त संपत्ति का तत्काल आधिपत्य ग्रहण करने के निर्देश दिए गए। अपने आदेश में न्यायालय ने टिप्पणी की कि भ्रष्टाचार समाज और प्रशासन दोनों को गहराई से प्रभावित करता है। अवैध संपत्ति अर्जन निंदनीय कृत्य है।

दहेज हत्या मामले में पति, ससुर और सास को 10 साल की सजा

विवाहिता ने लगाई थी फांसी, जेठ और जेठानी बरी

इंदौर। नवविवाहिता को दहेज के लिए पति, सास, ससुर, जेठ जेठानी ने इतनी प्रताड़ना दी थी कि उसने परेशान होकर फांसी लगा ली थी। मामले में प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट साक्षी कपूर ने पति, सास और ससुर को 10-10 साल की सजा सुनाई है। जेठ-जेठानी को सबूत के अभाव दोषमुक्त कर दिया है।

अभियोजन के अनुसार, हीरानगर थाने में फरियादी राम लखन मौर्य ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी बेटी पूजा ने अपने ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जांच में पता चला कि पूजा की शादी 26 नवंबर 2022 को आरोपी लक्की पिता रमेश मौर्य निवासी श्याम नगर से हुई थी। शादी में मायके वालों ने अपनी हैसियत के मान से दहेज दिया था। तीन माह तक ससुराल में सबकुछ ठीक चलता रहा। इसके बाद पति, सास सुलोचना, ससुर दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। इसी बीच जेठ रितेश का एक्सीडेंट हो गया तो ससुराल वालों ने इलाज के लिए पूजा से पैसे लाने, पिता से दो दुकान और दो मकान लेने को कहा। जब उसने इससे इनकार कर दिया तो ससुराल वालों की प्रताड़ना बढ़ गई।

परेशान होकर पूजा ने फांसी लगा ली थी। मामले में पुलिस ने आरोपियों पति, सास, ससुर, जेठ और जेठानी प्रिया के खिलाफ धारा 304(बी), 498, 406, 323, 294, 506 और 34 में केस दर्ज कर लिया था। पुलिस ने घटना के दौरान मृतक और उसके मायके वालों के बयान लिए थे। बयानों को विश्वसनीय साक्ष्य मानते हुए कोर्ट ने फैसला सुनाया।

मिलावट पर शिकंजा, 600 लीटर घी जब्त, मसाला फैक्ट्री सील की

घी के नकली पैकिंग गिरोह पर एफआईआर दर्ज की गई

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा हाल ही में फूड एंड ड्रग लैब के शुभारंभ पर दिए गए कठोर निर्देशों के बाद जिला प्रशासन इंदौर में मिलावटखोरों के खिलाफ तेजी से कार्रवाई कर रहा है। 30 अक्टूबर को खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने पल्हर नगर क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में मिलावटी घी और नकली पैकिंग सामग्री जब्त की थी। पल्हर नगर की 60 फीट रोड स्थित एक मकान में छापेमारी के दौरान गिरिराज गुप्ता के घर से लगभग 600 लीटर वनस्पति तेल, घी, एसेंस तथा विभिन्न प्रसिद्ध ब्रांडों सांची, अमूल, नोवा, मालवा के रैपर और आउटर कवर बरामद हुए। जांच में पाया गया कि आरोपी इन रैपरों में खुद तैयार किया गया अमानक घी भरकर बाजार में सप्लाई करने की तैयारी में था। मौके से कुल 29 डिब्बे वनस्पति, 13 डिब्बे तेल, 3 डिब्बे घी, 5 बोतल एसेंस और करीब 350 नकली पैकेजिंग सामग्री बरामद की गई। सैंपलों की जांच में घी और तेल अमानक पाए गए। रिपोर्ट आने के बाद 25 नवंबर को आरोपी के खिलाफ एरोड्रम थाना में भारतीय न्याय संहिता

की धाराओं 318(1), 335, 336(2), 338 और 340(2) के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि खाद्य सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और ऐसे मिलावटखोरों पर निरंतर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बिना लाइसेंस मसाला फैक्ट्री बंद

इस क्रम में जिला प्रशासन ने मंगलवार को पालदा स्थित सहज इंटरप्राइजेज पर दबिश दी। प्रतिष्ठान प्रभारी युवराज राजानी बिना खाद्य लाइसेंस मसाले तैयार करते पाए गए। परिसर में अत्यधिक अस्वच्छता थी और खाद्य सामग्री अस्त-व्यस्त हालत में रखी गई थी। प्योर इंदौरी मसालों व अचार के नमूने परीक्षण हेतु भेजे गए हैं। लाइसेंस न होने पर फैक्ट्री का संचालन तुरंत बंद कराया गया। रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 के तहत प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

साठ लाख के सोने की ठगी करने वाले जोधपुर, ऋषिकेश से धराए

नकली सोना दिखाकर वाट्सअप के माध्यम से सौदा किया

इंदौर। वाट्सअप के माध्यम से 10 दिन पहले चार आरोपियों ने फरियादी से 60 लाख रुपए का सोना हड़प लिया था। ठगी के दौरान बदमाशों ने नकली टुकड़ा दिखाया था, जिससे फरियादी झांसे में आया था।

शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे के फुटेज, तकनीकी संसाधनों और आरोपियों की लोकेशन के आधार पर आरोपियों को जोधपुर, ऋषिकेश से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से लगभग 443 ग्राम सोने के आभूषण जिनमें तीन रानी हार, एक सोने की चेन और दो अंगूठियां शामिल हैं, को जब्त किया है। भंवरकुआ थाना प्रभारी राजकुमार यादव के अनुसार, 15 नवंबर को फरियादी आसित हाजरा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपियों ने व्हाट्सएप के माध्यम से उससे पांच रानी हार का सौदा किया और नकली सोने के टुकड़े दिखाकर असली सोने के आभूषण हड़प लिए। इस पर टीआई ने टीम का गठन किया गया। जांच में पता चला कि इस गिरोह का मुख्य आरोपी संजय सोनी जोधपुर का निवासी है। पूछताछ में अन्य आरोपी संतोष सामई इंदौर, गौरव सोनी जोधपुर और नीरज सोनी जोधपुर निवासी शामिल पाए गए। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने कुछ आभूषणों को पिघला कर अपने लिए नई चेन बनाई और बाकी आभूषण छिपाकर भागने की कोशिश की थी।

रिटायर्ड बैंक अधिकारी की सड़क हादसे में मौत, देहदान किया गया

इंदौर। कनाडिया थाना क्षेत्र में सोमवार शाम दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एसबीआई के रिटायर्ड वरिष्ठ अधिकारी नवीनचंद गंगवाल (68) की मौत हो गई। वे शाम के समय घर से करीब आधा किलोमीटर दूर दूध लेने के लिए पैदल निकले थे। इसी दौरान बिचौली हप्सी इलाके में किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। राहगीरों ने उन्हें गंभीर हालत में एमवाय अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस के अनुसार, हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक फरार हो गया। मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है और टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश की जा रही है। नवीन चंद्र गंगवाल मूलतः देवास जिले से ताल्लुक रखते थे।

संपादकीय

चंडीगढ़ बन नए टकराव की आहट

केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ पर नियंत्रण की वर्तमान संवैधानिक स्थिति बदलने को लेकर लाए जाने वाले बिल का हालांकि केन्द्र सरकार ने खंडन कर दिया है, लेकिन इससे पंजाब में गुस्से की चिंगारी फिर भड़कने लगी है। इस बिल के आने की सुगबुगाहट के साथ ही पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और पूर्व में भाजपा की सहयोगी रही शिरोमणि अकाली दल ने केन्द्र सरकार पर हमले शुरू कर दिए थे। हाल में पंजाब और हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ को संविधान की धारा 240 के दायरे में शामिल करने संबंधित बिल संसद में लाने की चर्चा जोरों पर थी। कहा जा रहा था कि केंद्र सरकार संसद के शीतकालीन सत्र में चंडीगढ़ को संविधान की धारा 239 की जगह धारा 240 में शामिल करने को लेकर एक विधेयक पेश कर सकती है। इस पर राजनीति शुरू हो गई और विवाद बढ़ गया। इसके बाद केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि शीतकालीन सत्र में इस संबंध में विधेयक पेश करने का कोई इरादा नहीं है। संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़ के लिए सिर्फ़ केंद्र सरकार द्वारा कानून बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रस्ताव सरकार के स्तर पर विचाराधीन है। इस प्रस्ताव में किसी भी तरह से चंडीगढ़ की शासन-प्रशासन की व्यवस्था या चंडीगढ़ के साथ पंजाब या हरियाणा के परंपरागत संबंधों को परिवर्तित करने की कोई बात नहीं है। सभी हितधारकों से पर्याप्त विचार-विमर्श के बाद ही उचित निर्णय लिया जाएगा। आने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में इस आशय का कोई बिल प्रस्तुत करने की केंद्र सरकार की कोई मंशा नहीं है। उधर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने इस मामले को लेकर केंद्र सरकार की निंदा की। हालांकि लोकसभा और राज्यसभा के 21 नवंबर के बुलेटिन के अनुसार सरकार 1 दिसंबर, 2025 से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में 131वां संविधान संशोधन विधेयक, 2025 पेश करेगी। गौरतलब है कि वर्तमान में पंजाब के राज्यपाल चंडीगढ़ (केंद्र शासित प्रदेश) के प्रशासक हैं। मगर प्रस्तावित विधेयक के पास होने के बाद चंडीगढ़ में प्रशासक के रूप में एलजी (लेफ़्टिनेंट गवर्नर) की नियुक्ति की जा सकती है। दरअसल चंडीगढ़ पर पंजाब का दावा पहले है। इसे तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पहल पर नई दिल्ली से लगभग 240 किलोमीटर दूर शिवालिक पहाड़ियों की तलहटी में इसलिए बसाया गया था, क्योंकि 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन के दौरान पंजाब की राजधानी लाहौर पाकिस्तान में चली गई थी। इसे नेहरू के सपनों का शहर भी कहा जाता है। इसकी डिजाइन फ्रांसीसी आर्किटेक्ट ली कोर्बुज़िए ने बनाई थी। कार्बुजिए की टीम को अन्य लोगों के अलावा युवा भारतीय योजनाकारों एमएन शर्मा और एआर प्रभावलकर का भी साथ मिला। यही भी सच है कि चंडीगढ़ का निर्माण पंजाब के लगभग 27 गांवों को उजाड़कर किया गया था, यही कारण है कि पंजाब के लोग और राजनीतिक दल इस पर अपना अधिकार मानते हैं। 1 नवंबर, 1966 को पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के पुनर्गठन के दौरान चंडीगढ़ को पंजाब और हरियाणा दोनों की राजधानी बनाया गया। इसे एक केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया गया और केंद्र सरकार के सीधे नियंत्रण में रखा गया। पंजाब के लिए चंडीगढ़ सदा से एक अहम मुद्दा रहा है। 1985 में पंजाब में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से हुए राजीव गांधी लोंगोवाल समझौते में सहमति बनी थी कि चंडीगढ़ पंजाब को सौंप दिया जाएगा और बदले में हरियाणा को पंजाब के हिंदी भाषी इलाके दिए जाएंगे। हालांकि उस पर अमल आज तक नहीं हुआ। अगर केन्द्र सरकार चंडीगढ़ की संवैधानिक स्थिति में कोई बदलाव करती है तो टकराव का नया पिटारा खुल जाएगा। यह देश के लिए अच्छा नहीं होगा।

नजरिया

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तम्भकार हैं।

आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता की अनिवार्य पुकार

भारतीय रक्षा तकनीकी विकास के इतिहास में तेजस एक ऐसा अध्याय है, जिसने देश को वैश्विक मंच पर नए आत्मविश्वास के साथ खड़ा किया। 2007 में इसके निर्माण की शुरुआत के साथ ही भारत ने यह संदेश दिया कि वह अपने लड़ाकू विमानों को पूरी तरह देश में विकसित करने की क्षमता रखता है। जुलाई 2016 में जब भारतीय वायुसेना ने तेजस के पहले स्क्वॉड्रन का गठन किया, तो यह केवल एक विमान की उड़ान नहीं थी, बल्कि भारतीय वैज्ञानिक, इंजीनियरिंग और विविध रक्षा अनुसंधान संस्थानों की सामूहिक क्षमता का उद्घोष था। यह वह क्षण था जहां अनुभव से अधिक संकल्प का महत्व दिखाई देता है, एक ऐसा राष्ट्र जो दशकों तक विदेशी रक्षा तकनीक पर निर्भर रहा, अब स्वयं के बलबूते पर आधुनिक विमान निर्माण में अग्रसर था। लेकिन विकास की इस यात्रा में चुनौतियाँ स्वाभाविक थीं।

राष्ट्र की सुरक्षा किसी भी संप्रभु देश की रीढ़ होती है। यह केवल सीमापर तैनात जवानों की बहादुरी का प्रश्न नहीं, बल्कि उन वैज्ञानिक, तकनीकीऔर औद्योगिक क्षमताओं का भी परिणाम है, जो किसी राष्ट्र को मजबूत रक्षातैयारियों का आधार प्रदान करती हैं। भारत में पिछले एक दशक में जिस तेजीसे आत्मनिर्भर रक्षा निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ है, वह न केवल बदलते वैश्विक परिदृश्य का अनिवार्य परिणाम है, बल्कि उन चुनौतियों का उत्तर भी है जो नई तकनीकों, आधुनिक युद्धक रणनीतियों और जटिल सुरक्षा परिवेश के कारण उभर रही हैं। इसी संदर्भ में तेजस लड़ाकू विमान के विकास, उसके परीक्षण, उसके साथ घटित घटना और उससे निकले सबक हमें यह समझने का अवसर देते हैं कि आत्मनिर्भरता का मार्ग कितना जटिल और जरूरी है।

भारतीय रक्षा तकनीकी विकास के इतिहास में तेजस एक ऐसा अध्याय है, जिसने देश को वैश्विक मंच पर नए आत्मविश्वास के साथ खड़ा किया। 2007 में इसके निर्माण की शुरुआत के साथ ही भारत ने यह संदेश दिया कि वह अपने लड़ाकू विमानों को पूरी तरह देश में विकसित करने की क्षमता रखता है। जुलाई 2016 में जब भारतीय वायुसेना ने तेजस के पहले स्क्वॉड्रन का गठन किया, तो यह केवल एक विमान की उड़ान नहीं थी, बल्कि भारतीय वैज्ञानिक, इंजीनियरिंग और विविध रक्षा अनुसंधान संस्थानों की सामूहिक क्षमता का उद्घोष था। यह वह क्षण था जहां अनुभव से अधिक संकल्प का महत्व दिखाई देता है, एक ऐसा राष्ट्र जो दशकों तक विदेशी रक्षा तकनीक पर निर्भर रहा, अब स्वयं के बलबूते पर आधुनिक विमान निर्माण में अग्रसर था। लेकिन विकास की इस यात्रा में चुनौतियाँ स्वाभाविक थीं। हाल ही में तेजस के एक विमान ने तकनीकी कारणों से आपातकालीन लैंडिंग की, जिसने देशभर में चर्चा और चिंता दोनों को जन्म दिया। यह घटना अपने आप में कोई असाधारण दुर्घटना नहीं थी, लेकिन उसने रक्षा प्रणाली में तकनीकी परिशुद्धता, निगरानी और उच्चतम मानकों की आवश्यकता को पुन: रेखांकित किया। हर उन्नत देश में, चाहे वह अमेरिका हो या रूस, ऐसे तकनीकी बाधाओं के उदाहरण मिलते हैं। किंतु भारत के संदर्भ में यह घटना इसलिए महत्वपूर्ण बन जाती है क्योंकि यह समय उस मोड़ पर खड़ा है जहाँ देश आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता को न केवल लक्ष्य, बल्कि प्राथमिकता का विषय बना चुका है।

तेजस की तकनीकी संरचना की बात करें तो यह विमान अत्याधुनिक डिजाइन, हल्के कॉम्पोज़िट ढांचे और उच्च सुरक्षा प्रणालियों का बेहतरीन संगम है। 'कार्बन फाइबर' से निर्मित इसके ढांचे ने न केवल विमान का वजन कम किया, बल्कि उड़ान के दौरान इसकी स्थिरता और मजबूती को भी अभूतपूर्व स्तर पर पहुंचाया। इसकी 'फ्लाई-बाय-वायर' प्रणाली, उन्नत एवियोनिक्स और चौथी पीढ़ी के मानकों पर आधारित क्षमताएँ इसे दुनिया के उन चुनिंदा विमानों की श्रेणी में शामिल करती हैं जो गति, तकनीक और सुरक्षा में संतुलन बनाए रखते हैं। वर्षों के परीक्षणों और संशोधनों के बाद तेजस एक भरोसेमंद और कुशल लड़ाकू विमान बन चुका है, जिसे भारतीय वायुसेना लगातार उन्नत संस्करणों में शामिल कर रही है। किन्तु हर तकनीकी उपलब्धि की तरह तेजस के विकास में भी समस्याएँ आईं, कभी इंजन के प्रदर्शन को लेकर, कभी इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों को लेकर और कभी उड़ान परीक्षणों के दौरान आवश्यक संतुलन को लेकर। इन समस्याओं को हल करने में वैज्ञानिकों ने अनगिनत दिन-रात खर्च किए। और यही वह श्रम है जो आत्मनिर्भरता को मूल्यवान बनाता है। यदि किसी राष्ट्र को अपने पैरों पर खड़ा होना है, तो उसे ऐसे संघर्षों से गुजरना ही पड़ता है। किसी विमान का एक पुर्जा भी यदि बाहर से मंगाना पड़े, तो सुरक्षा की एक छोटी-सी खिड़की खुल जाती है, जिसे आधुनिक युद्धक परिदृश्य में कोई भी देश वहन नहीं कर सकता।

भारत की रक्षा नीति में इन दिनों दो स्पष्ट लक्ष्य दिखाई देते हैं- पहला, पूरी तरह स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देना और दूसरा, रक्षा निर्यात को नए स्तर पर ले जाना। 2013- 14 में जहां भारत का रक्षा निर्यात मात्र 686 करोड़ रुपये था, वहीं 2024- 25 में यह 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। यह आंकड़ा केवल उत्पादन का नहीं, बल्कि भारतीय तकनीक पर वैश्विक विश्वास का संकेत है। यह विश्वास एक दिन में नहीं बनता; यह वर्षों की लगातार मेहनत, प्रयोगों, असफलताओं और सुधारों की देन है। तेजस की हालिया तकनीकी समस्या ने एक बार फिर यह चेतावनी दी है कि आत्मनिर्भरता को लक्ष्य बनाना जितना महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण उसकी गुणवत्ता को सर्वोच्च स्तर पर बनाए रखना भी है। रक्षा उपकरण कोई सामान्य औद्योगिक वस्तु नहीं होते। उनका एक-एक पुर्जा सैनिकों की जान, राष्ट्र की सुरक्षा और करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा होता है। इसलिए उनकी गुणवत्ता को लेकर कोई समझौता संभव नहीं। तेजस के किसी भी तकनीकी परीक्षण में आई त्रुटि केवल एक तकनीकी मामला नहीं, बल्कि एक सबक है कि सुधार की प्रक्रिया कभी रुकनी नहीं चाहिए और आत्मनिर्भरता का मार्ग केवल उत्पादन का नहीं, बल्कि उत्कृष्टता का मार्ग है।

तेजस की घटना यह भी बताती है कि तकनीक की दुनिया बदलते समय के साथ चुनौतीपूर्ण होती जाती है। जैसे-जैसे युद्धक तकनीक विकसित होती है, वैसे-वैसे उसके मानक भी कठोर होते जाते हैं। आज का विमान केवल तेज या हल्का होना पर्याप्त नहीं, उसे साइबर-सुरक्षा, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर, उच्च-स्तरीय सेंसर तकनीक और नेटवर्क-आधारित युद्ध प्रणाली के अनुरूप भी होना चाहिए। इसीलिए तेजस के वर्तमान संस्करण के साथ-साथ भारतीय वैज्ञानिक 'तेजस मार्क- 2' और 'एएमसीए' जैसे अत्याधुनिक विमानों पर काम कर रहे हैं, जिनसे आने वाले समय में भारत की वायु-शक्ति अधिक स्वदेशी, अधिक सक्षम और अधिक तकनीकी रूप से उन्नत होने का मार्ग प्रशस्त होगा। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे महत्वपूर्ण तत्व है- विश्वास। देश का विश्वास अपने वैज्ञानिकों पर, वैज्ञानिकों का विश्वास अपनी खोजों पर और रक्षा बलों का विश्वास स्वदेशी प्रणालियों पर। तेजस की घटना ने इस विश्वास को झकझोरा नहीं, बल्कि मजबूत किया है क्योंकि यह घटना तकनीकी समस्या के बाद भी विमान को सुरक्षित उतारने और पायलट की जान बचाने की क्षमता को प्रमाणित करती है।

ऐसी घटनाएँ यह भी याद दिलाती हैं कि आत्मनिर्भरता का मार्ग शुरुआत में कठिन अवश्य होता है, लेकिन अंत में यही मार्ग किसी भी देश को मजबूत, स्वतंत्र और सुरक्षित बनाता है।

इस तरह से तेजस की हालिया तकनीकी बाधा एक घटना भर नहीं, बल्कि एक संदेश है, हमें अपने रक्षा निर्माण की नींव को और मजबूत बनाना होगा, अनुसंधान को और गहरा करना होगा, निगरानी की प्रणालियों को अधिक संवेदनशील बनाना होगा और गुणवत्ता के मानकों को अटल दृढ़ता के साथ लागू करना होगा। जब तक हम रक्षा उपकरणों की प्रत्येक प्रक्रिया को अपने नियंत्रित और सक्षम हाथों में नहीं लेते, तब तक आत्मनिर्भरता का स्वप्न अधूरा रहेगा।

भारत आज सही दिशा में अग्रसर है। तेजस जैसे प्रयास, उनकी चुनौतियाँ और उनसे निकले सीखें इस यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। यदि राष्ट्र अपनी तकनीकी क्षमता को उत्कृष्टता के स्तर तक ले जाने का संकल्प रखते हुए आगे बढ़ता रहा, तो न केवल देश की वायु-शक्ति अधिक सुरक्षित बनेगी, बल्कि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया के सबसे विश्वसनीय रक्षा उत्पादकों में भी शामिल होगा। यही वह रास्ता है, जिस पर चलकर हम एक सुदृढ़, आत्मनिर्भर और आधुनिक रक्षा प्रणाली वाले भारत का निर्माण कर सकते हैं, जहाँ हर उड़ान आत्मविश्वास की हो, हर तकनीक स्वदेशी गर्व का प्रतीक हो, और हर सबक हमें और अधिक सक्षम तथा सजग बनाता हो।

दिल्ली की दूषित आबोहवा

कुमार सिद्धार्थ

लेखक स्तम्भकार हैं।

एक शहर के खराब होते फेफड़ों का सच लोकतंत्र और हमारा संविधान

सर्दियों की शुरुआत के साथ दिल्ली-एनसीआर की हवा हर वर्ष एक अलग रूप धारण करने लगती है। जैसे-जैसे तापमान नीचे उतरता है और सूर्य की किरणें कमजोर पड़ती हैं, हवा की गति भी सुस्त होती जाती है। लेकिन मौसम का यह परिवर्तन सिर्फ ठंड का अहसास नहीं लाता, वह अपने साथ धुआँ, धूल और जहरीले कणों का ऐसा भारी मिश्रण भी लेकर आता है, जो इस महानगरीय क्षेत्र को एक बार फिर धुंध के आवरण में ढँक देता है। नवंबर 2025 इसका ताज़ा उदाहरण रहा, जब शहर के कई हिस्सों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 450 से ऊपर दर्ज किया गया। कई इलाकों में पीएम 2.5 का स्तर 300 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से ऊपर पहुँच गया, जो कि स्वास्थ्य मानकों की तुलना में पाँच गुना ज्यादा था। ऐसी हवा में सांस लेना केवल जोखिम नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए घातक स्थिति है। यह कोई एक-दो दिनों की समस्या नहीं, बल्कि हर वर्ष दो से तीन महीनों की वह स्थायी आपदा है जिससे दिल्ली-एनसीआर को गुजरना पड़ता है।

पिछले एक दशक में किए गए अधिकांश राष्ट्रीय और वैश्विक सर्वेक्षण बताते हैं कि दिल्ली का प्रदूषण ग्राफ लगातार ऊँचाई पर टिका हुआ है। वायु गुणवत्ता मॉनिटरिंग डेटा दिखाता है कि दिल्ली-एनसीआर का औसत पीएम 2.5 स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा तय सुरक्षित सीमा से कई गुना अधिक है। हालिया सर्वे में भारत के 293 शहरी केंद्रों का विश्लेषण किया गया, जिनमें से 88 प्रतिशत ने पहले ही विश्व स्वास्थ्य संगठन की वार्षिक सीमा पार कर दी थी। इस सूची में दिल्ली दूसरे स्थान पर दर्ज हुई, जहाँ पीएम 2.5 का औसत स्तर लगभग 87 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर पहुँचा, जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की दीर्घकालिक स्वास्थ्य संकट की गंभीरता को दर्शाता है। वैश्विक सर्वेक्षणों में भी दिल्ली बार-बार दुनिया के सबसे प्रदूषित महानगरों में स्थान पाती रही है। 2025 के विश्लेषण में इसे शीर्ष दस सबसे प्रदूषित शहरों में गिना गया, जबकि 2024 की कई रिपोर्टों ने इसे 'गंभीर प्रदूषण' श्रेणी में स्थिर बताया। इन आंकड़ों का निष्कर्ष साफ है दिल्ली का प्रदूषण किसी मौसमी उतार-चढ़ाव की कहानी नहीं, बल्कि एक स्थायी, जड़ जमाए हुए पर्यावरणीय संकट का प्रमाण है। 5 दिल्ली की हवा आखिर हर साल इतनी जहरीली क्यों बन जाती है? इसका जवाब किसी एक वजह में नहीं मिलता। यह समस्या संरचनागत, प्राकृतिक और आर्थिक कारणों के ऐसे सम्मिश्रण का परिणाम है जो वर्षों से इस क्षेत्र की हवा को जकड़े हुए हैं। शहर की आबादी लगातार बढ़ रही है, सड़कें विस्तार ले रही हैं, निजी वाहनों की संख्या हर साल तेज़ी से बढ़ती जा रही है, औद्योगिक इकाइयाँ फैलाव ले रही हैं और साथ ही पड़ोसी राज्यों की कृषि-प्रणालियाँ भी दिल्ली की हवा को प्रभावित कर रही हैं। मौसम की भूमिका इन सभी कारकों को और विकराल रूप दे देती है।

दूसरी ओर देखे तो दिल्ली की हरियाली को शहर के 'फेफड़े' कहा जाता है, लेकिन वन विभाग के आँकड़े बताते हैं कि राजधानी का वास्तविक हरित आवरण अब भी कमजोर है। कुल क्षेत्रफल के मुकाबले दिल्ली में वन आवरण लगभग 13 प्रतिशत और वृक्ष आवरण मिलाकर कुल हरियाली करीब 25 प्रतिशत है। देखने में यह संख्या ठीक लगती है, लेकिन इनमें बहुत घना जंगल बेहद कम है और ज़्यादातर क्षेत्र बिखरी हुई या खुली हरियाली के रूप में दर्ज है। यानी पेड़ हैं, पर उतने सघन और प्रभावी नहीं कि लगातार बढ़ते प्रदूषण के बोझ को संतुलित कर सके।

शहर के भीतर सबसे अधिक प्रदूषण वाहनों से आता है। लाखों कारें, स्कूटर, बसें और भारी वाहन रोजाना सड़कों पर उतरते हैं। जैसे-जैसे ट्रैफिक का दबाव बढ़ता है, वाहनों की गति धीमी पड़ती है और उत्सर्जन बढ़ता जाता है। पुराने डीज़ल वाहनों का धुआँ और भारी ट्रकों का उत्सर्जन हवा में घुलते हुए जहरीले कणों की मात्रा को और बढ़ा देता है। कई अध्ययनों में यह साफ हुआ है कि दिल्ली के प्रदूषण में लगभग 35 से 40 प्रतिशत योगदान अकेले वाहनों का है। यह समस्या केवल बढ़ते उत्सर्जन की नहीं, बल्कि शहर की जीवन-व्यवस्था की है जिसमें निजी वाहनों का उपयोग लगातार बढ़ा है।

लेकिन दिल्ली सिर्फ अपने ही धुएँ से नहीं जूझती। हर साल अक्टूबर-नवंबर में पंजाब और हरियाणा के खेतों में पराली जलाने की प्रक्रिया तेज़ी पकड़ लेती है। धान काटने के बाद खेतों को जल्दी तैयार करने के लिए किसानों के पास पराली जलाना ही आसान विकल्प बचता है। यह धुआँ उत्तर-पश्चिमी हवाओं के साथ दिल्ली की ओर बढ़ता है और जैसे ही तापमान गिरना शुरू होता है, हवा भारी होने लगती है। हवाई परतों के नीचे बैठ जाने के कारण पराली का धुआँ जमीन के पास ही अटक जाता है और शहर के ऊपर स्मॉग की मोटी परत बन जाती है। यह स्थिति वह समय होता है जब दिल्ली की वायु गुणवत्ता खतरनाक स्तर से भी नीचे गिरकर 'अत्यंत गंभीर' श्रेणी में पहुँच जाती है। शहर की धूल एक अलग और महत्वपूर्ण कारक है। दिल्ली-एनसीआर एक विशाल निर्माण-क्षेत्र में तब्दील हो चुका है। मेट्रो परियोजनाएँ, फ्लाईओवर, सड़क विस्तार, नए औद्योगिक क्षेत्रों का विकास-इन सभी गतिविधियों से भारी मात्रा में मिट्टी और धूल हवा में फैलती रहती है। कई निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के लिए तय दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया जाता। खुली निर्माण सामग्री, टूटी-फूटी सड़कें, खाली पड़े भूखंड और मालवाहक वाहनों की आवाजाही हवा में भारी मात्रा में पीएम 10 कण घोल देते हैं। हल्की हवा होने पर यह धूल घंटों हवा में तैरती रहती है और धीरे-धीरे पूरे क्षेत्र में फैल जाती है, जो वायु गुणवत्ता को और खराब करती है।

औद्योगिक क्षेत्रों में भी कई पुरानी तकनीकें और कम गुणवत्ता वाले ईंधन उपयोग में लाए जाते हैं। इससे निकलने वाला सल्फर, नाइट्रोजन और कार्बन का घना मिश्रण हवा को और अधिक दूषित कर देता है। शहर के आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों-बवाना, नरेला, गाजियाबाद, फरीदाबाद और गुरुग्राम-से निकलने वाला प्रदूषण दिल्ली की हवा में घुलकर पूरे क्षेत्र के लिए चुनौती बढ़ाता है। इसके साथ ही कचरे का खुला जलना भी वातावरण को विषाक्त करने में बराबर की भूमिका निभाता है। प्लास्टिक और रबर का जलना हवा में जहरीली गैसों का ऐसा मिश्रण घोलता है, जो स्वास्थ्य को सीधे प्रभावित करता है। दिल्ली की हवा को जहरीला बनाने में एक और बड़ा कारक है शहर के कचरा-पर्वत। गाजीपुर, भलस्वा और ओखला की लैंडफिल साइटें अब वर्षों पुराने ऐसे कचरा-ढेर बन गई हैं जिनसे उठती गैसें हवा को लगातार विषाक्त करती रहती हैं। इन ढेरों में जमा जैविक पदार्थों के विघटन से मीथेन गैस बनती है, जो अत्यधिक ज्वलनशील होती है और जिसमें न तो रंग होता है और न गंध इसलिए इसका रिसाव पकड़ना मुश्किल होता है। जब तापमान बढ़ता है, तो इन लैंडफिल साइटों में अचानक आग लग जाती है और यह आग कई दिनों तक जलती रहती है। इससे निकलने वाला धुआँ न केवल आसपास के क्षेत्रों, बल्कि पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की हवा को खतरनाक स्तर पर पहुँचा देता है।

इन लैंडफिल साइटों पर बढ़ते खतरों को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने हाल ही में कई तकनीकी उपाय लागू करने का निर्णय लिया है। शुरुआती चेतावनी प्रणाली, इंफ्रारेड तापमान निगरानी और मीथेन डिटेक्टर लगाने जैसी व्यवस्थाएँ इस दिशा में कदम हैं। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि वास्तविक समाधान निगरानी में नहीं, बल्कि इन ढेरों के अस्तित्व को समाप्त करने में है। जब तक कचरे का पृथक्करण, रीसाइक्लिंग, कम्पोस्टिंग और ईंधन-निर्माण बड़े पैमाने पर नहीं होता, तब तक दिल्ली की हवा को साफ करने की कोई भी कोशिश अधूरी ही रहेगी।गौरतलब है कि वर्ष 2017-18 के मुकाबले 2024-25 में पीएम 10 स्तर लगभग 15 प्रतिशत कम हुआ, लेकिन यह गिरावट भी दिल्ली की हवा को सुरक्षित दायरे में लाने के लिए पर्याप्त नहीं है। हवा में तैरते सूक्ष्म कणों का स्तर अब भी राष्ट्रीय मानकों से तीन से चार गुना अधिक है। यही कारण है कि दिल्ली हर वर्ष शरद और शीत ऋतु में प्रदूषण की 'अत्यंत गंभीर' श्रेणी में पहुँच जाती है।

वायु गुणवत्ता बिगड़ने के इस संकट में दिल्ली सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। दिल्ली सरकार ने दिल्ली-एनसीआर के निजी कार्यालयों से अनुरोध किया है कि वे अपने कुल कर्मचारियों में से कम से कम पचास प्रतिशत को वर्क-फ्रॉम-होम व्यवस्था दें। इस कदम का उद्देश्य केवल कार्यालय-प्रबंधन नहीं है, बल्कि सड़कों पर वाहनों की संख्या कम करना भी है। यदि लाखों लोग घर से काम करें तो पिक ऑवर में ट्रैफिक का दबाव कम होगा, वाहनों से निकलने वाला धुआँ घटेगा और हवा में घुलने वाले जहरीले कणों की मात्रा कम होगी। कार्यालय समय में परिवर्तन और यातायात नियंत्रण के बाद भी जब प्रदूषण के स्तर में पर्याप्त सुधार नहीं देखा गया, तब यह निर्णय संकेत देता है कि प्रशासन अब केवल प्रतिक्रिया देने के बजाय प्रदूषण को पहले-पहल रोकने की कोशिश कर रहा है।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दिल्ली-एनसीआर का प्रदूषण केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं है; यह एक सामाजिक, स्वास्थ्य और प्रशासनिक चुनौती है। इसे हल करने के लिए तात्कालिक उपायों से ज्यादा आवश्यक है वैज्ञानिक दृष्टिकोण, दीर्घकालिक नीति और राजनीतिक इच्छाशक्ति। हर गुजरते साल यह संकट और गहरा होता जा रहा है। शहर की सांसें तभी स्वच्छ होंगी जब सरकार, उद्योग, किसान और नागरिक सभी मिलकर अपनी भूमिका गंभीरता से निभाएँगे।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा अग्निबाण पब्लिकेशन, 121, देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

कटाक्ष

विश्वास व्यास

लेखक व्यंग्यकार हैं।

कस्टमर केयर का कष्ट

कस्टमर केयर शब्द देखने-सुनने में बड़ा प्यारा लगता है। कोई भी सामान खरीदने के बाद जब पैकेट पर यह नंबर लिखा मिलता है। मन आश्वस्त हो जाता है कि चलो, कोई तो है जो हमारी केयर करना चाहता है। हमारी चिंता कर रहा है।

पर यह खयाल हवा हो जाता है, जब असल में आपको इसकी जरूरत पड़ती है। यह लड़कपन में किए गए प्रेम के वादे से ज्यादा फरेब देता है।

जैसे ही आपको कस्टमर केयर पर फोन लगाने की जरूरत पड़ेगी, इश्क की जालिम हकीकत आपके सामने होगी। आप सोचेंगे कि कोई आपकी फिक्र में उधार बैठा होगा, आपकी समस्या सुनेगा और तुरंत हल करेगा। पर पहली ही घंटी के बाद आपको पता चलेगा कि आप कतार में हैं। समस्या बताने वाले आप अकेले नहीं हैं, इस शहर में तुम जैसे दीवाने हजारों हैं।

इसके बाद आपको बेवजह के खयाल आने लगते हैं। जैसे, किसी ने कहा है कि आदमी को समाधान का हिस्सा होना चाहिए, समस्या का नहीं। शिकायती होना यूं भी समाज में बुरा माना जाता है। ऐसे लोग चुगलखोर के लक़ब से नवाजे जाते हैं। क्या मैं चुगलखोर माना जाऊंगा? वक्त निकलता जाता है।

इधर, आप अभी भी कतार में रहते हैं। समस्या सुलझाने का दबाव बढ़ जाता है। आपको खीज आने लगती है और आपकी उम्मीद की नाव डूबते-डूबते संभल जाती है।

उधर से फोन उठता है। आप अपने गुस्से को काबू करते हुए इधर से 'हैलो' कहते हैं और दिमाग में कस्टमर केयर वाले को ठीक करने की रणनीति बना लेते हैं। पर अफसोस! उधर से आवाज आती है- अंग्रेजी के लिए 1 दबाएं, हिंदी के लिए 2 दबाएं!

मोर्चा कम्प्यूटर पर खुला होता है। हमेशा की तरह आपकी रणनीति असफल हो जाती है। आप मन कड़ा करके 1 या 2 इस उम्मीद में दबाते हैं कि शायद अब सामने कोई केयर करने वाला मिले और उस पर गुस्सा उतार सके।

मांगे से मोती नहीं मिलते, इसके लिए साधना करनी होती है, ध्यान लगाना पड़ता है, धैर्य रखना पड़ता है। कंपनियों ने बाकी तकनीकें भले ही विदेशी अपना रखी हों, पर कस्टमर केयर के मामले में उनकी तकनीक विशुद्ध स्वदेशी और प्राचीन है।

ये आपके धैर्य को मजबूत करना चाहते हैं। आप कुछ ही पलों में अगले मेनू में पहुंच जाते हैं, जहां मधुर स्वर लहरियों में राग दबाएं चलने लगता है- इसके लिए 1 दबाएं, उसके लिए 2 दबाएं, फलाने के लिए 3 दबाएं, ढिमके के लिए 4 दबाएं!

जिंदगी में हर जगह दबा-कुचला रहने के बाद यह पहली बार होता है कि आम आदमी को किसी को दबाने का मौका मिलता है। दबाव की राजनीति की उसकी सारी हसरत निकल जाती है। जवाबी मेनू के नम्बर दबाने के विकल्प के साथ गुस्सा भी बढ़ता जाता है। इस चक्कर में आप भूल जाते हैं कि आपकी पसंद का मेनू कौन से नम्बर पर था। आप कुछ नहीं दबा पाते, केवल गुस्सा दबाते हैं। लेकिन, जैसा कि पहले कहा गया है- कंपनी आपकी केयर करना चाहती है। आपकी पत्नी ही नहीं, कंपनी भी जानती है कि आप आदतन भुलक्कड़ हैं। इसलिए 'शून्य' दबाने का विकल्प मिलता है। इससे एक बार फिर विलंबित लय में 'ये दबाएं, वो दबाएं' का आलाप शुरू होता है।

आपका मन अब एकाग्र हो चुका है। दुनिया जहां की बाते आप भूल गए है। बस ध्यान फोन पर है। इतने ध्यान से आपने कभी अपने पिताजी या पत्नी की बात भी नहीं सुनी होती। आपको अपना मेनू समझ आता है। आप सारा गुस्सा अपने ही मोबाइल की स्क्रीन पर वह जादुई नंबर दबाने में निकालते हैं। आपको लगता है कि बस, किला फतेह हुआ! यहां तक तो आ गए, अब दिल्ली दूर नहीं है। हाय री किस्मत! आपकी शिकायत की दिल्ली पास आकर भी दूर ही रहती है। फिर से अगले मेनू का जाम लग जाता है।

वह आपसे आपका कस्टमर आईडी यानी पहचान पूछता है! आप ग़ालिब की तरह हैरान हैं कि- 'पूछते हैं वो कि ग़ालिब कौन है, कोई बताए कि हम बतलाएं क्या?'

आपको लगता है कि कस्टमर केयर वाला अगर अपने सामने, अपने शहर में होता तो बताते- 'बेटा, हम आपके हैं कौन।' पर खयाल दिल का दिल में रह जाता है। क्योंकि दूसरी तरफ मशीन है। आप जैसे-तैसे बिल-विल देखकर, पत्नी से पूछकर अपना कस्टमर आईडी दबाते हैं।

तुरंत अगला मेनू कुटिल मुस्कुराहट के साथ सामने आ जाता है। इस बार वह आपके खरीदे गए सामान का मॉडल, मेक और खरीदने की तारीख पूछता है। कम्प्यूटर को पता नहीं होता कि सामने भारतीय पुरुष है। तारीख तो उसे कभी अपनी शादी की याद नहीं रही। आप गुस्से से घबराहट में पहुंच जाते हैं। मन में डर आता है कि यदि इसकी तारीख सही बता दी तो क्या होगा? महीने भर पत्नी की अदालत में तारीखें लगती रहेंगी।

फिर आपका दिमाग बड़ी समस्या को पहले हल करने की सोचता है। क्योंकि इश्क और कस्टमर केयर- दोनों एक से हैं। दोनों में बढ़े कदम वापस लेना तकलीफ देता है।

आप उसकी यह बात भी मान लेते हैं। अब गुस्सा, धैर्य और हिम्मत- सब टूटने लगे हैं। आप केवल भाग्य के सहारे मेनू में आगे बढ़ रहे हैं। आपके सिर पर जुनून तारी हो जाता है। आप बस कभी 5, कभी 7 दबाए जा रहे हैं।

ऊपर से उधर से आवाज आ रही है कि आपकी कॉल गुणवत्ता के लिए रिकॉर्ड की जा रही है। चिढ़ आती आने लगती है कि इनके प्रोडक्ट में भले गुणवत्ता न हो। भाई लोग कॉल की गुणवत्ता पर पूरा ध्यान दे रहे है। रिकॉर्ड होने की उम्मीद में कॉल जारी रहती है।

वक्त तेजी से बीत रहा है। अचानक आपकी तपस्या सफल होती है। उधर से आकाशवाणी जैसी आवाज आती है-

नमस्कार, फलां कंपनी में आपका स्वागत है। मैं 'परेशान कर'- आपकी क्या सहायता कर सकता हूं?

इश्क कबूल हो जाता है। आपके मन में सफलता का उत्साह आ जाता है। आप दिल का सारा गुबार निकालने की जल्दी करते हैं।उधर 'परेशान कर'- दिन में आप जैसे पच्चीस को पछाड़ चुका है। वह वेरिफिकेशन के नाम पर अति विनम्रता से आपका नाम, पता, फोन नंबर पूछने लगता है। आपकी कुंडली के राहु, केतु, शनि की स्थिति और दशा- महादशा तक वह जान लेता है। आप सोचते हैं कि इतना तो नौकरी के इंटरव्यू में भी नहीं पूछा किसी ने! विनम्र सवाल और उखड़े जवाब का सिलसिला चलता है।आखिर वह दुर्लभ से दुर्लभतम क्षण आ जाता है।

'परेशान कर' आपसे वह तीन जादुई लफ़्ज़ बोलता है- 'क्या प्रॉब्लम है?' आप भावनाओं के अतिरेक में हैं। अचानक मिली खुशी से रुआंसे हो चले हैं। आप उसे समस्या बताते हैं। वह धैर्य से, बिना हुंकारा भरे सुनता है। आपका दिल हल्का हो जाता है।

वह सारी बात सुनकर विनम्रता को चरम पर ले जाते हुए एक बार फिर से धन्यवाद कहता है। आप हैरान हैं- आपको धन्यवाद नहीं, हल चाहिए। आप इतनी बार 1, 2, 4 दबा-दबा कर पक चुके हैं। आपका मन इस 'परेशान कर' का गला दबाने का कर रहा है। पर वह इस बात को पहले से जानता है। वह आपको बोलने का कोई भी मौका दिए बगैर बोलने लगता है- आपकी प्रॉब्लम हमारी गारंटी पॉलिसी में कवर नहीं होती है। आप सर्विस सेंटर में संपर्क कीजिए। कॉल करने के लिए धन्यवाद! आपका दिन शुभ हो !फोन कट जाता है। आप जान जाते है कि कष्ट वही का वही है। आपका दिन अशुभ हो चुका है। आप खुद को ठगा हुआ महसूस करते हैं। आधा घंटा निकल चुका है। समस्या का हल हो जाने की उम्मीद में घरवालों की आंखें आप पर टिकी हैं। आप कभी उनको, कभी उस प्रोडक्ट को देखने लगते हैं।

मन में खयाल आता है- जैसे जिंदगी का अंतिम लक्ष्य मोक्ष है, मुक्ति है, लेकिन उसके लिए एक दिन मरना पड़ता है- कस्टमर केयर का सिद्धांत भी यही है।

कस्टमर की केयर तो होगी, पर पहले उसे 'कष्ट से मरना' होगा। उसके बाद ही समस्या से मुक्ति मिलेगी।

आज शुभारंभ

संतोष चौबे

महानिदेशक 'विश्व रंग' तथा कुलाधिपति रबीन्द्रनाथ टैगोर वि.वि

विश्व संवाद का समावेशी मंच है 'विश्वरंग'

वर्ष 2019 में भारत की सांस्कृतिक राजधानी भोपाल से प्रारम्भ हुए 'विश्वरंग' टैगोर अन्तरराष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव का अब विश्व के 65 से अधिक देशों तक विस्तार हो चुका है। भारत, मॉरीशस और श्रीलंका से घूमते हुये वह एक बार फिर भोपाल में है जहाँ 27 से 30 नवम्बर 2025 के दरमियान रवीन्द्र भवन परिसर में इसका आयोजन किया जा रहा है। ये शायद देश में पहली बार है कि कोई शैक्षिक संस्थान (रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय एवं डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय) इस तरह का साहित्य एवं कला महोत्सव आयोजित कर रहे हैं।

ज्ञान और अनुभव को कौशल के साथ जोड़कर एक नए विश्व की रचना का यह समय है। साहित्य, कला तथा भाषा की संकीर्णताओं और संकोचों को तोड़कर चली आ रही परम्परा तथा नई तकनीक के संयोग से, संवाद का अभिनव वितान रचने की अकुलाहट है। तमाम नवाचारों और प्रयोगों के चलते हमारी सांस्कृतिक अधोसंरचना जिन महान जीवन मूल्यों को थामती रही है, उसके विस्थापन की फ़िक्र भी हमें स्वाभाविक ही होती है। 'विश्व रंग' इन्हीं चिन्ताओं और नई स्थापनाओं के बीच अपनी सकारात्मक सांस्कृतिक भूमिका का निर्वाह करता रहा है।

वर्ष 2019 में भारत की सांस्कृतिक राजधानी भोपाल से प्रारम्भ हुए 'विश्वरंग' टैगोर अन्तरराष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव का अब विश्व के 65 से अधिक देशों तक विस्तार हो चुका है। भारत, मॉरीशस और श्रीलंका से घूमते हुये वह एक बार फिर भोपाल में है जहाँ 27 से 30 नवम्बर 2025 के दरमियान रवीन्द्र भवन परिसर में इसका आयोजन किया जा रहा है।

ये शायद देश में पहली बार है कि कोई शैक्षिक संस्थान (रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय एवं डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय) इस तरह का साहित्य एवं कला महोत्सव आयोजित कर रहे हैं। देश में आयोजित होने वाले कई अन्य साहित्य उत्सवों के बदले 'विश्वरंग' हिन्दी और भारतीय भाषाओं को केन्द्रीयता प्रदान करता है। एक ओर तो यह हिन्दी और भारतीय भाषाओं के बीच आपसदारी और परस्पर सम्मान का रिश्ता कायम करना चाहता है तो दूसरी ओर बोलियों से भी एकरस भरे संवाद की शुरुआत करना चाहता है। 'विश्वरंग' की अवधारणा, विश्व के बारे में हमारी समझ से ही निकलती है। यदि आपस चेतरूप से अपने आस-पास देखें तो पाएँगे कि विकास की जो प्रक्रिया हमने अपनाई है और प्रकृति का जिस तरह अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है, वह स्वयं हमारे अस्तित्व के लिये ही घातक होता जा रहा है। दूसरी ओर बायोटेक्नालॉजी एवं बायोइनफर्मेटिक्स के कन्वर्जेंस से जिस तरह के मनुष्य के निर्माण की बात की जा रही है उससे इस बात में भी संदेह पैदा होता है कि क्या मनुष्य स्वयं वैसा बचा रह पाएगा जैसा कि हम उसे जानते हैं। तीसरे, टेक्नालॉजी ने जीवन की गति इतनी तेज़ कर दी है कि उसे जानना-पहचानना ही मुश्किल होता जा रहा है। हमें जीवन को समझने के लिये नये नक्शों और नये कोऑर्डिनेट्स की तलाश करने की ज़रूरत महसूस होने लगी है। मुझे लगता है कि जीवन के नये उपकरणों को तलाशने के साधन विज्ञान के पास उतने नहीं हैं जितने कला, संस्कृति और संगीत के पास हैं। उनमें भी भारतीय दर्शन और ज्ञान परम्परा एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। विश्व के तमाम रचनाकारों, कलाकारों और संगीतज्ञों को इस सम्बंध में बातचीत शुरू करनी चाहिये और एक प्रभावी हस्तक्षेप करना चाहिये। विश्वरंग इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है।

विश्वरंग साहित्य, शिक्षा, संस्कृति और भाषा में काम करने वाले रचनाकारों के बीच वैश्विक विमर्श की शुरुआत है। देश और विदेश के लगभग 100 विश्वविद्यालय एवं संस्थाएं इसमें शामिल हैं, जिनमें आपसी बातचीत एवं शैक्षणिक नेटवर्क का निर्माण इस कार्यक्रम का बड़ा हासिल होगा। देशभर से लगभग 1000 शीर्षस्थ रचनाकार इसमें शिरकत करते रहे हैं, और उम्मीद है कि उनके बीच संवाद का रिश्ता क़ायम होगा और सबसे बढ़कर, हिन्दी और भारतीय भाषाओं को केन्द्रीयता प्रदान करने का प्रयत्न किया जाएगा।

वनमाली सृजन पीठ और रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय का जो लगभग 35 वर्षों का साहित्य एवं कलाओं में काम करने का अनुभव है वह बताता है कि अन्ततः सभी कलाओं और अनुशासनों में एक तरह की परस्परता बनती है और उसे पहचानना ही अपने कलात्मक क्षितिज का विस्तार करना है। युवा रचनाकारों के यहाँ आपको ऐसी शैलियों और अनुशासनों की छाया मिल जाएगी जिन्हें पहले उपन्यास या कहानी के डोमेन में नहीं रखा, उनमें आप इतिहास की, चित्रकला की, फ़िल्म तकनीक की, नाटक की और दार्शनिक निष्कर्षों की छाया पाते हैं। असल में ज्ञान-विज्ञान का जो विस्फोट हमारे आसपास हुआ है, उसने बहुत सारी पुरानी सीमा रेखाओं को तोड़ा है।

दस्तावेज़ीकरण 'विश्वरंग' का एक प्रमुख लक्ष्य रहा है। 'विश्वरंग' 2025 तक आते-आते कई ऐसे प्रयास किये गये हैं जो इस दिशा में एक महत्वपूर्ण क़दम है। हिन्दी की लगभग 200 वर्षों की कथा परंपरा को समेटते हुए, 600 से अधिक कथाकारों तथा आलोचकों के साथ, 18 खण्डों में 'कथादेश' का प्रकाशन, अविभाजित मध्यप्रदेश के कथाकारों को समेटते हुये 6 खण्डों में 'कथा मध्यप्रदेश' का प्रकाशन और भोपाल के 171 कथाकारों के साथ 'कथा भोपाल' का प्रकाशन

TAGORE INTERNATIONAL LITERATURE & ARTS FESTIVAL
विश्व रंग
भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

दस्तावेज़ीकरण के ऐसे ही महती प्रयास हैं। हिन्दी में विज्ञान कथाओं की ज़रूरत को महसूस करते हुये 6 खण्डों में 'विज्ञान कथाकोश' एवं तीन खण्डों में 'विज्ञान कविताकोश' का प्रकाशन भी किया गया है। बच्चों की दुनिया को समृद्ध बनाते हुये 11 खण्डों में 'बाल कविताकोश' भी अब प्रकाशित है। 'विश्वरंग' 2025 में अब 20 खण्डों में 'काव्यदेश' का प्रकाशन भी किया जा रहा है। विश्व के 65 देशों में हिन्दी की स्थिति को लेकर 'विश्व में हिन्दी' रिपोर्ट की रचना भी ऐतिहासिक कार्य है। टैगोर विश्वकला एवं संस्कृति केन्द्र ने गुरुदेव टैगोर की सांस्कृतिक देशना पर एकाग्र निबंधों के अनूठे ग्रन्थ 'आनन्दधारा' के साथ ही 'परम्परा और परिवेश', 'अनुनाद' और 'कला की छाँव' जैसी महत्वपूर्ण किताबों तथा 'रंगसंवाद' के विशेषांकों के पुस्तकाकार दस्तावेज़ों का प्रकाशन किया है।

'विश्वरंग' के अंतर्गत चार पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जाता है। जहाँ 'विश्वरंग' पत्रिका वैश्विक सन्दर्भों को समेटती त्रैमासिक पत्रिका है वहीं 'वनमाली कथा' कथा केन्द्रित पत्रिका है जिसने थोड़े ही समय में 'कथा विश्व' में अपना स्थान बनाया है। कला पर केन्द्रित 'रंग संवाद' पिछले पन्द्रह वर्षों से प्रकाशित हो रही है तो हिन्दी में विज्ञान विषयों पर केन्द्रित पत्रिका 'इलेक्ट्रॉनिकी' देश की एकमात्र इलेक्ट्रॉनिक पर केन्द्रित पत्रिका है। अब ऑनलाइन पत्रिकाओं और समूहों ने भी अपना स्थान बनाया है। अनन्या' क़रीब दस देशों से, साझा संसार' नीदरलैंड्स और यूरोप के अन्य देशों से, 'भारत दर्शन' न्यूज़ीलैंड से ऑनलाइन प्रकाशित है। भारत सहित अमेरिका, ब्रिटेन, नीदरलैंड्स, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया और अन्य देशों में कई ऑनलाइन समूह कार्य कर रहे हैं जो सालभर में 100 से अधिक संगोष्ठियाँ आयोजित करते हैं। ऑनलाइन प्रकाशनों, ब्लॉगिंग और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। 'विश्वरंग 2025' की एक और विशेषता बच्चों के लिये एक पूर्णकालिक समानांतर 'बाल विश्वरंग' का तथा मानव संग्रहालय के सहयोग से 'आदिवासी साहित्य तथा कला महोत्सव' का आयोजन है जो 'विश्वरंग' में नये रंग भरने का काम करेंगे। इस महोत्सव के पहले देश के 500 स्थानों पर पुस्तक यात्राएँ आयोजित की गई थीं। जिस तरह हमारे गाँव व क़स्बों ने पुस्तक यात्राओं को हाथों-हाथ लिया उससे उम्मीद बनती है कि पुस्तक संस्कृति अभी हमारे देश में जीवित है।

तेज़ी से बदलते समय में कोई भी भविष्य की घोषणा नहीं कर सकता पर 'विश्वरंग' एक ऐसी रचनात्मक समावेशी प्रक्रिया की शुरुआत करना चाहता है, जिसमें कलाएँ मानव व मानवीय संवेदनाओं के पक्ष में खड़ी हों, सस्टेनेबल डेव्लपमेंट हमारी चिन्ता के केन्द्र में हो और हिन्दी और भारतीय भाषाओं को विश्व में रचनात्मक विस्तार के साथ उचित जगह मिले।

कोविदार ध्वज

पुरु शर्मा

युवा लेखक

राष्ट्र की अखण्ड आराधना का आरोहण

अयोध्या आलोकित है। हर सनातनी का हृदय हर्षित है, विश्वगगन में हमारी संस्कृति की कीर्ति-पताका लहरा रही है। सहस्राब्दियों बाद यह क्षण आया है, जब कोटि-कोटि कण्ठ एक ही स्वर में भारतीयता का जयघोष कर रहे हैं। पीढ़ियों का पौरुष, उनके प्रतापों का पुण्य प्रवाह अंतस को अमर आनन्द से अभिसिंचित कर रहा है। हमारा सौभाग्य है कि उन दिव्य क्षणों के साक्षी बने हैं, जिनके साकार होने का स्वप्न शताब्दियों से हमारे पूर्वजों ने देखा।

श्री अयोध्या धाम स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर के भव्य भगवा ध्वज का आरोहण समारोह हमारी आस्था का प्रतीक, हमारे संकल्प का साक्षी और हमारी एकता का सूत्र है। मंदिर के शिखर पर लहराते भगवा ध्वज की दिव्य आभा यह उद्घोष कर रही है कि हम अपनी जड़ों से जुड़े हैं, अपनी परंपरा से परिचित हैं, और अपनी पहचान के प्रति सजग हैं। ध्वज केवल आस्था का उपादान नहीं, बल्कि एक ऐसा प्रतीक है जो युगों-युगों तक लोकजीवन में मनोबल, मर्यादा और मूल्यों का संदेश प्रतिस्थापित करेगा।

ध्वज का महत्व हर संस्कृति में, हर काल में रहा है। जब सेना युद्ध में जाती है, तो ध्वज उसका मार्गदर्शन करता है। जब कोई राष्ट्र अपनी स्वतंत्रता घोषित करता है, तो ध्वज उसकी आज़ादी का प्रतीक बनता है। और जब कोई मंदिर बनता है तो उसके शिखर पर ध्वज उस आस्था का प्रतीक बनता है जो करोड़ों हृदयों में धड़कती है। ध्वज चेतना का प्रतीक है। वह बताता है कि हम कौन हैं, हम किसके लिए खड़े हैं, और हमारे आदर्श क्या हैं। जैसे घर के आँगन में तुलसी का पौधा उस घर की पवित्रता का प्रतीक होता है, वैसे ही मंदिर के शिखर पर ध्वज उस मंदिर की आस्था का, उस परंपरा की निरंतरता का प्रतीक होता है।

श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के शिखर पर स्थापित ध्वज में भगवान सूर्य, और कोविदार वृक्ष अंकित है। कोविदार वह वृक्ष है, जो भारतीय साहित्य, पुराण, इतिहास और लोक-परंपरा में शौर्य, सौंदर्य और संस्कार का सहचारी रहा है। विद्यानिवास मिश्र कहा करते थे कि भारतीय वृक्ष-विश्व केवल वनस्पति नहीं, वह 'भाव-वृत्तियों का भूगोल' है। वाल्मीकि कृत आनन्दरामायणम् में प्रभु श्रीराम की चार ध्वजाओं का विस्तृत उल्लेख मिलता है, जिनमें कोविदार ध्वज विशेष स्थान रखता है। बाल्यकाल में रघुनाथ जी अपने पिता के रथ पर बैठे थे, इसलिए वह राम का रथ कोविदार ध्वज कहा जाता है– अतः 'सोप्यस्य रामस्य कोविदारध्वजः स्मृतः' इसके अतिरिक्त बाण ध्वज, कपि ध्वज और गरुड़ ध्वज का भी उल्लेख है। कोविदार ध्वजा वाले राम, बाण ध्वजा वाले श्रीराम, कपि ध्वजा वाले राघवेन्द्र और गरुड़ से चिह्नित ध्वजा वाले भूपेश; इस प्रकार रामचंद्र जी के अनंत नाम हैं। साथ ही कोविदार ध्वजा से चिह्नित रथ के सारथी सुमंत्र कहे गए हैं– 'कोविदारांकितरथे सुमंत्रः सारथिः स्मृतः'

वाल्मीकि रामायण में भी कोविदार का वर्णन है। चित्रकूट में जब राम, लक्ष्मण व सीता वनवास कर रहे थे, तब दूर से उड़ती धूल को देखकर लक्ष्मण वृक्ष पर चढ़कर धूल की दिशा में देखने लगे। उन्होंने भरत के कोविदार ध्वज वाले रथ को आते देखा–

एष वै सुमहान् श्रीमान्
विटपी सम्प्रकाशते।
विराजत्य् उद्गत स्कन्धः
कोविदार ध्वजो रथे।।

भारतीय काव्य परंपरा में कोविदार सदैव सौंदर्य, नवोन्मेष और ऋतुचक्र के पुनर्जागरण का उद्घोष माना गया है। महाकवि कालिदास ने ऋतुसंहार में इसकी प्रसन्न, कोमल और मनोहर शोभा का मनोहारी चित्रण किया है–

मन्दानिलाकुलितचारुतराग्रशाखः पुष्पोद्गमप्रचयकोमलपल्लवाग्रः।
मत्तद्विरेफपरिपीतमधुप्रसेकश्चित्तं विदारयति कस्य न कोविदारः।।

भारतीय काव्य परंपरा में कोविदार सदैव सौंदर्य, नवोन्मेष और ऋतुचक्र के पुनर्जागरण का उद्घोष माना गया है। राजशेखर ने कोविदार को वसंत के आगमन का दूत कहा। उन्होंने काव्य मीमांसा में लिखा–

अयं प्रसूनोद्धुरकर्णिकारः पुष्पप्रपञ्चाचितकाञ्चनारः।
विजृम्भणाकोविदकोविदारः कालो विकाशोद्यतसिन्दुवारः।।

पम्पा सरोवर का वर्णन करते समय वाल्मीकि 'कोविदार' का भी वर्णन करते हैं-

अंकोलाश्च कुरण्टाश्च चूर्णकः परिभद्रकः चूता पाटलयश्चापि।
कोविदारश्च पुष्पिताः मुचकुन्दार्जुनाश्चैव दृश्यन्ते गिरिसानुषु।।

इस प्रकार कोविदार का उल्लेख विभिन्न काव्य ग्रंथों में हमें मिलता है। कई विद्वानों ने कोविदार और कचनार को एक ही माना है। कोविदार और कचनार की समानता पर विद्वानों में मतांतर है, किन्तु भावप्रकाश में भावमिश्र तथा राजशेखर ने दोनों का पृथक-पृथक विवरण प्रस्तुत किया है। लोक में भी यही मान्यता है कि कचनार/कोविदार विजय और शौर्य से जुड़ा है। लोकपरंपरा में आज भी कई परिवार विजयादशमी पर कचनार की टहनी घर लाकर मंगल और विजय का आह्वान करते हैं।

श्रीरामजन्मभूमि के ध्वज का महत्व इसलिए और भी बढ़ जाता है क्योंकि यह केवल मंदिर का ध्वज नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की चेतना का परिचायक है। यह उस आस्था का प्रतीक है, जिसके लिए सदियों तक संघर्ष चला। यह उस धैर्य का पर्याय है जिसने कभी हार नहीं मानी। और यह उस विजय उत्सव है, जिसने सदैव न्याय, सत्य और धर्म के पक्ष में हुंकार भरी है। जब यह ध्वज लहराएगा तो हर भारतीय का मस्तक गर्व से ऊँचा होगा। क्योंकि यह ध्वज प्रमाण है कि हम अपनी परंपरा को भूले नहीं हैं, अपनी आस्था को त्यागा नहीं है, और अपने संकल्प से विचलित नहीं हुए हैं। यह ध्वज हमें स्मरण कराता है कि राम केवल नायक नहीं, बल्कि आदर्श, नीति, करुणा, पराक्रम और धर्म के जीवंत मार्गदर्शक भी हैं।

आज सदियों का तप, त्याग, संघर्ष और प्रतीक्षा ध्वज की लहराती आभा में संपूर्ण प्रतीत होती है। अयोध्या जाग उठी है। यह ध्वज गाँव-गाँव, जन-जन तक यही संदेश ले जाएगा कि हमारी संस्कृति अब पुनःउद्भासित गौरव की यात्रा पर अग्रसर है और यह ध्वज राम की मर्यादा का, भारतीयता की अखंडता का तथा राष्ट्र की सामूहिक चेतना का स्वर्णिम प्रतीक बनेगा।

लक्ष्य सेन फिर अंतर्राष्ट्रीय खिताबी दौड़ में शामिल

बैडमिंटन

विजय रांगणेकर

लेखक शैक्षिक संवाद मंच उ.प्र. के संस्थापक हैं।

भारतीय बैडमिंटन के नए पोस्टर बॉय लक्ष्य सेन ने आस्ट्रेलियाई खुली सुपर 500 बैडमिंटन स्पर्धा में विश्व रैंकिंग के जापान के युशी तनाका को हराकर महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। यह खिताब जीतने में लक्ष्य को केवल 38 मिनट लगे। वह शुरुआत से ही बेहद तेज़ नज़र आए. यह आसान नहीं था, क्योंकि इससे पहले उन्होने 86 मिनट खेले गए थकाऊ सेमीफ़ाइनल के बाद भी उन्होंने फ़ाइनल में शानदार लय दिखाई और बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया. ऐसा लग रहा था कि वह इस सुनहरे मौके को हाथ से जाने नहीं देना चाहते थे।

विश्व रैंकिंग के 14 वे क्रम के लक्ष्य को लगभग एक साल बाद टाईटल जीतने में सफलता हासिल हुई है। 24 वर्षीय लक्ष्य सेन पुरुष एकल खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। 2017 में किदांबी श्रीकांत ने यह स्पर्धा जीती थी। वर्ष 2024 में लक्ष्य ने सैयद मोदी इंडिया सुपर 300 स्पर्धा का खिताब जीता था। इसके बाद वे इस साल हांगकांग खुली स्पर्धा के फाइनल में खेले थे। इस साल विश्व टूर में पुरुष एकल खिताब दो भारतीय खिलाड़ियों, आयुष शेट्टी और लक्ष्य सेन ने जीते हैं। यह लक्ष्य सेन का तीसरा सुपर 500 खिताब हैं। इससे पहले वे 2022 में इंडिया ओपन और 2023 में कनाडा ओपन स्पर्धा जीते हैं। लक्ष्य सेन विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक विजेता हैं। लक्ष्य ने थॉमस कप में भी स्वर्ण और टीम के साथ एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता। उन्होंने एशिया टीम और एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में भी कांस्य पदक जीते। सेन ने 2024 ओलंपिक में पुरुष एकल स्पर्धा में भाग लिया, जहाँ वे कड़े संघर्ष के बाद कांस्य पदक के मुहाने पर पहुँच कर मैच हार कर चौथे स्थान पर रहे।

2022 इस भारतीय युवा के लिए ब्रेकआउट ईयर साबित हुआ। 2022 के ऑल इंग्लैंड ओपन में, एक टूर्नामेंट जिसका भारतीय बैडमिंटन इतिहास में एक विशेष स्थान है, उन्होंने फाइनल में पहुंचने के लिए वर्ल्ड नंबर 3 एंडर्स एंटोनसेन और वर्ल्ड नंबर 7 ली ज़ी जिया को मात दी। लक्ष्य उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थे जिसने थॉमस कप में इतिहास रचा था, जिसने पहली बार पुरुषों की प्रमुख टीम प्रतियोगिता जीती थी। अपनी गति को बनाए रखते हुए उन्होंने 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों की टीम स्पर्धा में रजत और पुरुषों के सिंग्लस में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने इंडियन ओपन जीतकर सीज़न की शुरुआत की। उन्होंने इंडियन ओपन पर कब्जा करने के लिए फाइनल में उस समय के विश्व चैंपियन, लोह कीन यू को हराया। वर्ष के अंत में जर्मन ओपन के

सेमीफाइनल में विश्व नंबर 1 विक्टर एक्सेलसेन को हराने के बाद लक्ष्य ने बैडमिंटन सर्किट में खलबली मचा दी थी।

लक्ष्य बैडमिंटन परिवार से हैं। उनके पिता डीके सेन एक प्रसिद्ध बैडमिंटन कोच हैं और उनके बड़े भाई चिराग ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा की। यहां तक कि उनके दादा भी यह खेल खेलते थे। लक्ष्य सेन की विलक्षण प्रतिभा छोटी उम्र से ही देखने मिल गई जब उन्होंने अपने गुरु प्रकाश पादुकोण को पीछे छोड़ दिया और 2016 में 15 साल की उम्र में भारतीय राष्ट्रीय पुरुष सिंगल्स फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। लक्ष्य जूनियर्स में विश्व नंबर 1 की रैंक भी हासिल कर चुके है।

मौजूदा समय में वे बैडमिंटन सर्किट के सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ियों में से एक हैं। 2022 उनके लिए खास रहा जब लक्ष्य ने इंडियन ओपन जीता, भारत को एक ऐतिहासिक थॉमस कप जीत में मदद की, राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों के सिंगल्स में स्वर्ण जीता, और पुरुषों के सिंगल्स में टॉप टेन में जगह बनाई।

संविधान दिवस विशेष

उमंग सिंघार

(नेता प्रतिपक्ष, मप्र विधानसभा)

संविधान की मूल भावना और दमित होती जनभावनाएं

जब संविधान की मूल भावना पर चोट होती है, जनभावनाओं को दबाया जाता है, और संस्थाएँ निष्प्रभावी होती हैं, तो लोकतंत्र अपने सार से दूर हो जाता है। इस स्थिति में नागरिक समाज, मीडिया, न्यायपालिका, और आम जनता सभी को अपनी भूमिका का पुनर्मूल्यांकन करना होगा।

आज संविधान की मूल भावना के साथ खिलवाड़ हो रहा, जन भावनाओं को कुचला जा रहा, चुनाव आयोग का लोकतंत्र पर कब्जा हो गया इसके बावजूद लोग खामोश हैं। यह एक समसामयिक और गंभीर मामला है, जो भारतीय लोकतंत्र, उसकी संस्थाओं और नागरिक चेतना की मौजूदा स्थिति पर गहराई से प्रश्न उठाता है।

भारत का संविधान न केवल शासन की रूपरेखा है, बल्कि यह देश की आत्मा है। इसमें निहित मूल भावना समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व के सिद्धांतों में दिखाई देती है। परंतु आज अनेक अवसरों पर ऐसा प्रतीत होता है कि संविधान की इस मूल भावना से धीरे-धीरे विचलन हो रहा है। राजनीतिक सत्ता के केंद्रीकरण, संस्थाओं की स्वायत्तता में कमी, और सामाजिक ध्रुवीकरण के बढ़ते प्रभाव के कारण लोकतंत्र की स्वस्थ आत्मा पर प्रश्नचिह्न लगने लगे। संविधान का उद्देश्य था कि शासन जनता की इच्छा से संचालित हो, न कि किसी एक दल या व्यक्ति की शक्ति से। परंतु आज व्यवस्था में ऐसे संकेत मिलते हैं कि निर्णय प्रक्रिया में जनहित के बजाय दलगत राजनीति या सत्ता-संतुलन का प्रभाव बढ़ गया है।

यह सच है कि जनता लोकतंत्र की रीढ़ होती है, पर विडंबना यह है कि आम नागरिकों की आवाज़ धीरे-धीरे अप्रभावी होती जा रही। विरोध को असहमति नहीं, बल्कि विरोधाभास मानने की प्रवृत्ति बढ़ी है। सोशल मीडिया पर भय या दमन का माहौल बनना, पत्रकारिता की आजादी का सीमित होना तथा आलोचनात्मक विचार रखने वालों को निशाने पर लेना ये सब बातें लोकतांत्रिक चेतना को कमजोर करती हैं।

जब जनभावनाओं को अभिव्यक्त करने के लिए मंच सीमित होने लगते हैं, तो समाज के भीतर आक्रोश या निराशा पनपती है। लोकतंत्र की गुणवत्ता केवल मतदान से नहीं, बल्कि जनता के निरंतर सहभाग, बहस और आलोचना के अधिकार से तय होती है। इन अधिकारों की उपेक्षा संविधान की आत्मा के विपरीत है।

सबसे गंभीर मसला है चुनाव आयोग की भूमिका बदलना। चुनाव आयोग को भारतीय लोकतंत्र का प्रहरी माना जाता है। इसका दायित्व है स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना, ताकि सत्ता का हस्तांतरण पारदर्शी ढंग से हो सके। परंतु बीते कुछ सालों में इस संस्था की निष्पक्षता और स्वायत्तता पर सवाल उठने लगे हैं। आयोग पर यह आरोप लगते रहे हैं कि वह सत्तारूढ़ दलों के प्रति नरमी बरतता है, जबकि विपक्ष के मामलों में सख्त रुख अपनाता है। आयोग की निष्पक्षता पर जनता का विश्वास ही लोकतंत्र की स्थिरता की गारंटी है। यदि यह विश्वास डगमगाता है, तो चुनाव प्रक्रिया का नैतिक आधार कमजोर होता है। यही कारण है कि संविधान निर्माताओं ने इसे संसद, न्यायपालिका और कार्यपालिका से स्वतंत्र बनाया था। लेकिन आज यह संरचनात्मक स्वतंत्रता व्यवहारिक रूप से चुनौती का सामना कर रही है।

शायद सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि तमाम विसंगतियों और असंतुलनों के बावजूद जनता का बड़ा वर्ग मौन है। यह मौन भय, उदासीनता या असहायता से उपजा हो सकता है। परंतु लोकतंत्र में मौन भी एक प्रकार की सहमति बन जाता है। जब नागरिक अन्याय या असमानता के प्रति चुप रहते हैं, तो सत्ता को मनमानी का अवसर मिलता है। लोकतांत्रिक चेतना केवल अधिकार मांगने से नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने से भी मजबूत होती है। यदि जनता अपने संवैधानिक अधिकार और संस्थाओं की अखंडता की रक्षा के लिए सक्रिय न रहे, तो यह मौन धीरे-धीरे लोकतंत्र को औपचारिकता में बदल देता है।

भारत का लोकतंत्र अनेक संघर्षों की उपज है। यह केवल एक शासन प्रणाली नहीं, बल्कि जीवन जीने का तरीका है, जिसमें संवाद, असहमति, और न्याय का सम्मान अंतर्निहित है। जब संविधान की मूल भावना पर चोट होती है, जनभावनाओं को दबाया जाता है, और संस्थाएँ निष्प्रभावी होती हैं, तो लोकतंत्र अपने सार से दूर हो जाता है। इस स्थिति में नागरिक समाज, मीडिया, न्यायपालिका, और आम जनता सभी को अपनी भूमिका का पुनर्मूल्यांकन करना होगा।

लोकतंत्र को जिंदा रखने का मतलब है उसे लगातार पोषित करना, प्रश्न करना, और सुधार की दिशा में सक्रिय रहना। खामोशी समाधान नहीं, बल्कि पतन की शुरुआत है। हमारा संविधान समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुत्व जैसे मूल्यों का संरक्षक है। आइए, हम सब मिलकर अपने संविधान, लोकतंत्र और मूल्यों की रक्षा का संकल्प दोहराएँ।

कन्या महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा सप्ताह के प्रथम दिन जन जागरूकता अभियान चलाया गया

धार। शासकीय कन्या महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा सप्ताह के प्रथम दिन सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत जन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का आयोजन संस्था विचरती द्वारा किया गया था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुजावल जग्गा सीएसपी धार

ने सायबर क्राईम और मुस्कान अभियान के सम्बन्ध में छात्राओं को जानकारी दी व उनके प्रश्नों के उत्तर दिये। संस्था की ओर से अमित मांडलिक ने यातायात के तहत हैलमेट व सीट बेल्ट क्यों जरूरी है इस विषय पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य सुशील फड़के ने की। संस्था की ओर से स्वागत भाषण अध्यक्ष श्याम नायक ने दिया। कार्यक्रम का संचालन नरेंद्र तिवारी ने किया। इस अवसर पर संस्था के कार्यकर्ता सुमित ओसारी, ऋषि मालवीय, बादल जैन, रुद्राक्ष गुप्ता, योगेश अलावा,शुभम बरिया, धीरज भाटी, अपेक्षा मीणा, रोहित सिसोदिया, सागर ठाकुर, उपस्थित रहे।

यूनिटी मार्च नर्मदा प्रवाह यात्रा का धार आगमन पर हुआ स्वागत

धार। सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती वर्ष के अंतर्गत नागपुर, महाराष्ट्र से चलकर अवसर पर मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से होती हुई गुजरात के केवड़िया स्थित विश्व की सर्वोच्च प्रतिमा स्टैचू ऑफ यूनिटी तक जा रही नर्मदा प्रवाह यात्रा के धार आगमन पर यात्रा प्रमुख कपिल परमार समेत यूनिटी मार्च नर्मदा प्रवाह यात्रा में जा रहें सैकड़ों लोगों का केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर, विधायक नीना वर्मा और जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती कलेक्टर प्रियंक मिश्रा,एसपी मयंक अवस्थी ने स्वागत किया।

केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत के संकल्प को लेकर इस नर्मदा प्रवाह यात्रा का बहुत बड़ा विजन है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में, लौह पुरुष सरदार पटेल जी के एकता और राष्ट्रनिर्माण के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का यह अवसर अत्यंत प्रेरणादायी रहा।

यात्रा केंद्रीय प्रभारी कपिल परमार ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ रहा है जब हम सभी क्षेत्रों में छः गुना श्रेष्ठ कार्य कर लेंगे तब हम आत्मनिर्भर भारत बनेंगे। इस अवसर पर युवा मोर्चा प्रदेश कोषाध्यक्ष जयंतराव गरुड़, मेरा युवा भारत जिला युवा अधिकारी दीर्घा राजावत, जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, यात्रा जिला प्रभारी अशोक चौधरी, सह प्रभारी जसप्रीत डंग, युवा मोर्चा जिला महामन्त्री अंकित भावसार, मंडल अध्यक्ष विशाल निगम और जयराज देवड़ा, जिला खेल अधिकारी राजेश शाक्य, नरेश भावसार, महेश रावला बड़ी संख्या में युवा, सामाजिक संगठन,माय भारत स्वयंसेवक और विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागी शामिल हुए ।

अंबेडकर कालेज में भारतीय संविधान दिवस मनाया

बैतूल। भीमराव रामराव अंबेडकर शिक्षा महाविद्यालय बैतूल में भारतीय ज्ञान परम्परा के अंतर्गत 26 नवम्बर 2025 को भारतीय संविधान दिवस पर कार्यकम का आयोजन किया गया। सिख सम्प्रदाय के 9 वें गुरु तेग बहादुर जी के 350 वें शहीदी वर्ष पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। मुगल शासक औरंगजेब के अत्याचारों के खिलाफ पूरे परिवार ने आवाज उठाई, इनके बलिदान को याद किया गया। कार्यकम की शुरूआत महाविद्यालय के संचालक इंजीनियर ध्रुव अग्रवाल की अध्यक्षता में की गई। संविधान दिवस पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक सुनिल वर्मा ने कहा कि संविधान भारत की आत्मा है। जो देश की एकता, अखण्डता और समानता बनाये रखती है। यह भारत को एक सूत्र में बान्धकर रखती है। बीएड स्कालर्स शारदा इवने वर्षा रावत, प्रहलाद बेले, श्रद्धा सोलंकी एवं लीना झरवडे द्वारा भाषण दिये गये, जिन्हें मेंडल एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया। डॉ. गावंडे ने कार्यक्रम का संचालन करते उद्बोधन में कहा कि संविधान ने हमें बोलने, रहने एवं शिक्षा ग्रहण करने की आजादी दी, यदि हम अपना कार्य ईमानदारी से करते है तो हम संविधान का सम्मान करते है।

बैतूल के भीमपुर में एसआईआर के काम में जुटे बीएलओ को आया अटैक, राजधानी के अस्पताल में भर्ती

बैतूल। एसआईआर के कामों में तेजी लाने की प्रशासन की सख्ती के कारण बीएलओ की जान पर बन आ रही है। देश के अलग अलग राज्यों में काम के दबाव में खुदकुशी करने के मामले सामने आ चुके है। जिसमें हमारा मध्यप्रदेश भी अब शामिल हो चुका है। हाल ही में मध्यप्रदेश के बैतूल जिले की भैंसदेही विधानसभा क्षेत्र के भीमपुर में ऐसा ही मामला सामने आया है। इसमें एसएसआर के काम में लगे शिक्षक कर्मचारी बीएलओ को एसआईआर के काम के दौरान अटैक आ गया। साथी कर्मचारी ने उनकी तबीयत बिगड़ते देखकर उन्हें तुरंत भैसदेही के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां पर हालत गंभीर होने पर उन्हें भोपाल रेफर किया गया। उनकी हालत फि लहाल अंडर कवर बताई जा रही है। बैतूल जिले के भैंसदेही क्षेत्र के एसडीएम अजीत सिंह मेश्राम ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि भैंसदेही के चौटापोपटी गांव के स्कूल के शिक्षक बिहारी लाल हाके को मतदान केंद्र क्रमांक 139 का बीएलओ बनाया गया है। वे मंगलवार की शाम चार से पांच बजे के बीच स्कूल में काम कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें अचानक अटैक आ गया। इस दौरान वहां पर मौजूद अतिथि शिक्षक ने उनकी तबीयत बिगड़ती देखकर उन्हें भैंसदेही अस्पताल ले जाया गया। यहां पर डॉक्टरों ने उन्हें देखकर हालत गंभीर बताई। इस पर उन्हें तुरंत भोपाल रैफर कर दिया है। भैंसदेही एसडीएम श्री मेश्राम ने बताया कि उनकी हालत फिलहाल ठीक है, तथा उनका इलाज जारी है। शिक्षक की इस तरह अटैक आने के पीछे की वजह परिजनों द्वारा एसआईआर के काम का दबाव होने का हवाला दिया जा रहा है। परिजनों का कहना है कि वे देर रात तक काम कर रहे थे और वरिष्ठ अधिकारियों से समय सीमा में काम करने के लगातार निर्देश फोन पर मिल रहे थे। इसके कारण इस तरह की स्थिति बनी है। इधर इस घटना से जिले के शिक्षक संगठनों में रोष है। हालांकि अधिकारी इससे इंकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि शिक्षक का कामकाज ठीक है। एसआईआर में उनका काम 95 प्रतिशत पूर्ण हो चुका था। इसलिए किसी तरह का दबाव होने की बात सही नहीं माना जा सकता है। गौरतलब है कि देश के 12 राज्यों में एसआईआर का काम चल रहा है। इस काम को जल्द से जल्द पूरा किया जाना है। एसआईआर के काम के दबाव में अब तक विभिन्न राज्यों में आधा दर्जन से ज्यादा सरकारी कर्मचारी खुदकुशी तक कर चुके हैं।

कलेक्टर ने डिजिटाइजेशन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजरों का किया सम्मान

बैतूल। निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम के तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान जिले में डिजिटाइजेशन कार्य में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजरों को शाल, श्रीफल और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। सम्मान समारोह में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने आमला, मुलताई, घोड़ाडोंगरी और भैंसदेही विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजरों के उत्कृष्ट कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि मतदाता सूची जितनी शुद्ध होगी, लोकतांत्रिक प्रणाली उतनी ही मजबूत होगी। बीएलओ ही वो कड़ी हैं जो घर-घर जाकर मतदाताओं की सही जानकारी इकट्ठा करते हैं और उसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सटीक रूप में दर्ज करते हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण बड़ी जिम्मेदारी होती है। पात्र मतदाताओं के नाम जोडना, गलत प्रविष्टियों को सुधारना और जो अपात्र हैं उन्हें हटाना ये काम बेहद संवेदनशील हैं। आप सभी ने समय पर और गुणवत्तापूर्ण काम कर सराहनीय कार्य किया है। बैतूल विधानसभा क्षेत्र क्रमांक -131 के अंतर्गत मतदान केंद्र क्रमांक 150 के बीएलओ बारीकराव सरियाम प्राथमिक शिक्षक ने 558 मतदाताओं का डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण किया है। इसी प्रकार मतदान केंद्र क्र 170 के बीएलओ सुनिल पदाम शिक्षक ने 519 मतदाताओं का डिजिटाइजेशन तथा मतदान केंद्र 221 के बीएलओ दिनेश माथनकर शिक्षक ने 529 मतदाताओं का शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण किया है। घोड़ाडोंगरी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-132 के मतदान केंद्र 9 के बीएलओ सुरे सिंह काजले प्राथमिक शिक्षक ने 163 मतदाताओं का डिजिटाइजेशन, मतदान केंद्र 87 की बीएलओ श्रीमती पूजा मंडल माध्यमिक शिक्षक ने 506 मतदाताओं का डिजिटाइजेशन कार्य शत प्रतिशत पूर्ण किया। इसी प्रकार

भैंसदेही विधानसभा क्षेत्र क्र-133 के मतदान केंद्र 37 की बीएलओ श्रीमती सकुन उइके आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, डीसीएस सर्वेयर पप्पू उईके ने 121 मतदाताओं का डिजिटाइजेशन कार्य तथा मतदान केंद्र 318 के बीएलओ पांडुरंग अमरघड़े प्राथमिक शिक्षक, सहायक शंकर चरपे शिक्षक व ग्राम कोटवार राम भाऊ ने 327 मतदाताओं का डिजिटाइजेशन कार्य शत प्रतिशत पूर्ण किया है।

इन बीएलओ सुपरवाइजरों ने किया शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन- आमला विधानसभा क्षेत्र क्र-130 के बीएलओ सुपरवाइजर पुरुषोत्तम यादव उच्च माध्यमिक शिक्षक, रामप्रसाद पाल उच्च माध्यमिक शिक्षक तथा अनिल बिंझाड़े उच्च माध्यमिक शिक्षक ने अपने प्रभार के 10 मतदान केन्द्रों पर शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण किया है, जो मध्यप्रदेश में सर्वप्रथम शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण करने वाली विधानसभा है। इसी प्रकार मुलताई विधानसभा क्षेत्र 129 के बीएलओ सुपरवाइजर माधव कुमार बिसंद्रे उच्च माध्यमिक शिक्षक ने 99.27 प्रतिशत तथा बीएलओ सुपरवाइजर श्री हेमन्त कुमार पाटील उच्च माध्यमिक शिक्षक ने 98.91 प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण कर लिया है।

बैतूलबाजार नगर परिषद के दो कर्मचारियों के शव कुएं से मिले

ताने से परेशान थे दोनों, सुसाइड नोट में जताया दर्द

बैतूल। बैतूल बाजार नगर परिषद में दैनिक वेतन भोगी दो कर्मचारियों का शव बुधवार सुबह बयावाड़ी के पास एक ही कुएं से बरामद हुआ। दोनों कर्मचारी मंगलवार रात से गायब थे। पुलिस ने दोनों शवों को निकालकर जिला अस्पताल भेज दिया है और सुसाइड नोट मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान

रजनी डुंडेले (48) और मिथुन (29) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, दोनों मंगलवार रात करीब 9 बजे से लापता थे। महिला का मोबाइल घर में ही मिला, जबकि मिथुन की लोकेशन उसके खेत के आसपास मिली थी। बुधवार सुबह उनकी बाइक और चप्पल कुएं के पास मिलीं। इसके बाद पुलिस ने खोज कर पहले रजनी और फिर मिथुन के शव को निकाला। पुलिस को परिजनों ने एक डायरी में सुसाइड नोट लिखा दिया है। जो महिला के घर पर मिला। घर का दरवाजा तोड़ने पर डायरी में महिला ने सुसाइड नोट लिखा था। सूत्रों के अनुसार, महिला ने उसमें लिखा है कि ऑफिस के लोग मुझे गलत नजर से देखते हैं, मेरे चरित्र पर सवाल उठाते हैं। मैं तानों और प्रताड़ना से परेशान हूं। महिला के दामाद बृजेश ने बताया कि वह कुछ दिनों से बहुत परेशान चल रही थी। कल रजनी की बेटी और मेरी पत्नी से भी बात हुई थी, तो उसने कहा था कि मैं ऑफिस का टेंशन झेल नहीं पा रही हूं, कुछ कर लूंगी। रात 7 बजे से उसे कॉल किया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। जब घर पहुंचे तो ताला लगा था। सीसीटीवी में देखा तो वह भरकावाड़ी की तरफ जाती दिखी। रात ढाई बजे कुएं से लाश मिली। उन्होंने बताया कि रजनी अपने साथी कर्मचारी मिथुन को बेटे जैसा मानती थी, लेकिन ऑफिस में लोग दोनों के रिश्ते को लेकर गलत बातें करते थे। इसी कारण वह मानसिक रूप से टूट गई थी। मिथुन के भाई विनय ने कहा कि रात को वो घर से गया था, फिर लौटा नहीं। रात ढाई बजे पता चला कि महिला की लाश मिली है। वहीं भाई की चप्पल और बाइक भी पड़ी थी। हमें और कुछ नहीं पता। एसडीओपी सुनील लाटा ने बताया कि दोनों शव एक ही कुएं से बरामद हुए हैं। खोज के दौरान मिथुन का शव भी कुंए में लगी मोटर के नीचे फंसा मिला। महिला के पास से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने कार्यालय के कुछ कर्मचारियों पर मानसिक प्रताडना का आरोप लगाया है। टीआई अंजना धुर्वे ने कहा, पोस्टमार्टम के बाद आगे की जांच की जा रही है। सुसाइड नोट की सत्यता की पुष्टि की जा रही है।

मातृशक्ति की 7 दिव्य शक्ति को जगाने किया सप्तशक्ति संगम का आयोजन

160 मातृशक्ति और अध्यापिकाओं ने भाग लेकर दिया संगठन शक्ति का संदेश

बैतूल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर मातृशक्ति की सात दिव्य शक्तियों श्री, वाक्, स्मृति, मेधा, कीर्ति, क्षमा और धृति को जागृत करने के उद्देश्य से सप्तशक्ति संगम का प्रेरणादायी और भव्य आयोजन मंगल भवन सलाईपुरा बैतूल बाजार में सम्पन्न हुआ। जनजातीय क्षेत्र में विद्या भारती मध्य भारत और भाऊराव देवरस सेवा न्यास भोपाल द्वारा संचालित सरस्वती संस्कार केन्द्र के बैनर तले यह आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता वंदना कुंभारे ने की। कार्यक्रम में 160 मातृशक्ति और अध्यापिकाओं ने भाग लेकर नारी नेतृत्व, सांस्कृतिक चेतना और संगठन शक्ति का प्रेरक संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना, दीप प्रज्वलन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ, जिनमें नारी की ज्ञान शक्ति, आत्मा शक्ति और धैर्य शक्ति का जीवंत चित्रण किया गया। कार्यक्रम का संचालन संकुल प्रमुख वंदना लिखितकर ने प्रभावी रूप से किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही वंदना कुमंभारे ने कुटुंब प्रबोधन पर अपने उद्बोधन में कहा कि परिवार भारतीय समाज की मूल इकाई है और इसकी सुदृढ़ता ही समाज की स्थिरता का आधार बनती है। उन्होंने संयुक्त परिवार व्यवस्था के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि आपसी प्रेम, सहयोग, अनुशासन और संस्कार तभी पीढ़ी दर पीढ़ी प्रवाहित होते हैं जब परिवार एक सूत्र में बंधा रहे। उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवनशैली की भागदौड़ में पारिवारिक संवाद और सामूहिक जिम्मेदारियों का कमजोर होना चिंता का

विषय है, इसलिए हर मातृशक्ति का दायित्व है कि वह परिवार को जोडने, समझाने और संस्कारों को जीवित रखने में अपनी प्रमुख भूमिका निभाए। तुलिका पचोरी ने कहा कि नारी किसी भी समाज की प्रेरक शक्ति है और जब नारी आगे बढ़ती है, तो पूरा समाज प्रगति करता है। उन्होंने कहा कि सप्तशक्ति संगम नारी के आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयां देने वाला मंच है। मुख्य वक्ता सुश्री हर्षिता मानकर ने संयुक्त तथा एकल परिवार प्रणाली, नारी नेतृत्व और सात शक्तियों श्री, वाक्, स्मृति, मेधा, कीर्ति, क्षमा और धृति के महत्व को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि हर नारी में अद्भुत क्षमता होती है, जिसे पहचानकर उन्नति के रास्ते बनाए जा सकते हैं। मुख्य वक्ता श्रीमती वंदना लिखितकर ने भारतीय दार्शनिक दृष्टि से पर्यावरण संरक्षण पर गहन विचार रखते हुए पंचतत्वीय प्रकृति, जीवमात्र के प्रति करुणा, पेड़-पौधों और जीवों को ईश्वर रूप में देखने की भारतीय परंपरा को समझाया। उन्होंने पॉलिथीन मुक्त परिवार और मां के नाम एक पेड़ लगाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान सुश्री बबली कवड़े ने महिलाओं से रोचक प्रश्न पूछे जिनके उत्तर उन्होंने आत्मविश्वास से दिए। सुश्री अर्चना धुर्वे, सुश्री नन्दनी कापसे और अन्य बहनों ने रानी लक्ष्मीबाई और सावित्रीबाई फुले की प्रेरक झाँकी प्रस्तुत की। भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका को श्रीमती सुमन तुमडाम ने प्रभावपूर्ण ढंग से रखा।

वीरांगनाओं का किया सम्मान- संगम में समाज सेवा और पारिवारिक मूल्यों को सशक्त बनाने वाली 20 मातृशक्तियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही वंदना कुंभारे ने अपने संबोधन में कहा कि नारी समाज की ऊर्जा है और ऐसे आयोजन नारी शक्ति को नई दिशा और मजबूती प्रदान करते हैं और कुटुंब प्रबोधन विषय पर अपने विचार रखें कि हमारे हिंदू परिवार की परिवार व्यवस्था कैसी होना चाहिए।

सांची ने मुझे गर्व दिया: वानगल उपतिस्स नायक थेरो

आईएसबीसी के रजत जयंती समापन समारोह में बोले श्रीलंका महाबोधि सोसायटी के अध्यक्ष

रायसेन। भारत में रहकर मैंने अनेकता में एकता को जीया है, सीखा है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में मेरे दोस्त सभी धर्मों के लोग थे। मैंने बुद्ध की शिक्षाओं के माध्यम से भारत में ही सीखा कि हम सब इंसान हैं। सबको देखो और मुस्कुरा दो। थोड़ा सिर झुका दो तो पूरा विश्व अपने आप साथ हो जाएगा।

सांची में मेरी पढ़ाई हुई यहां से मुझे गर्व और गौरव दोनों मिले हैं। यह बात मंगलवार को सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की मेज़बानी में आयोजित इंडियन सोसायटी फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज़ के रजत जयंती समारोह के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीलंका महाबोधि सोसायटी के अध्यक्ष वानगल उपतिस्स नायक थेरो ने कही। तीन दिन चले इस आयोजन के विभिन्न सत्रों में बौद्ध धर्म-दर्शन से संबंधित 80 से अधिक शोधपत्र पढ़े गए। उपतिस्स नायक थेरो के हिंदी में हृदय से व्यक्त किए गए उद्गारों की पूरे मंच और दर्शकों-श्रोताओं ने सराहना की। इस अवसर पर थेरो ने कहा कि सांची ने मुझे गर्व दिया है। उन्होंने

कहा वो सांची के स्कूल में पढ़े, कॉलेज एस.एस जैन विदिशा में गए और भोपाल के बरकत उल्लाह विश्वविद्यालय के प्रथम बैच के छात्र रहे। बाद में सारनाथ और वाराणसी में उन्होंने बौद्ध अध्ययन से संबंधित अपनी उच्च शिक्षा बी.एच.यू में हासिल की। उन्होंने अपनी बायोग्राफी लिखने वाले लेखक शकील एहमद सिद्दीकी की मंच से तारीफ करते हुए कहा कि एक मुस्लिम व्यक्ति ने एक बौद्ध भिक्षु की बायोग्राफी लिखी है।

बौद्ध विश्वविद्यालय सांची में बने यह मेरा सपना था अपने वकतव्य में थेरो ने कहा कि किसी बौद्ध विश्वविद्यालय को सांची में स्थापित कराने की संकल्पना उनकी थी जिसे कि उन्होंने तत्कालीन मध्य प्रदेश सरकार के समक्ष रखा थे और सांची विश्वविद्यालय की स्थापना 2012 में श्रीलंका के राष्ट्रपति के हाथों हुई। उन्होंने का कि वो सांची विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय बनाए जाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। और इसके लिए उन्होंने एक पत्र भी लिखा है। वानगल उपतिस्स थैरो ने कहा कि वो भारत के प्रधानमंत्री से कहेंगे कि विश्वविद्यालय की नींव रखते समय जिस पौधे रूपी विश्वविद्यालय की संकलपना को हमने रोंपा था उसे आपने अर्थात मध्य प्रदेश सरकार ने ही खाद-मिट्टी डालकर एक शानदार विश्वविद्यालय बनाया है। उन्होंने कहा कि वो प्रधानमंत्री से कहेंगे कि वो इसे और अधिक विस्तार दें कि ये अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय बन जाए।

1 दिसंबर को आयोजित होने वाली भव्य गीता जयंती महोत्सव के लिए संतोष पांडेय जिला संयोजक (जिला प्रभारी) नियुक्त

अशोक मनोहर जोशी कार्यक्रम व्यवस्था प्रभारी बनाए गए

धार। आगामी 1 दिसंबर 2025 को आयोजित होने वाले गीता जयंती महोत्सव को भव्य स्वरूप प्रदान करने के लिए तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। अखिल भारतीय विश्व गीता प्रतिष्ठान, मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग के अधिष्ठान वीर भारत न्यास एवं विश्व गीता प्रतिष्ठानं के अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव द्वारा समाजसेवी संतोष बाबूलाल पांडेय जिला संयोजक (जिला प्रभारी) बनाए गए हैं। परशुराम कल्याण बोर्ड के धार जिला प्रभारी अशोक मनोहर जोशी व्यवस्था प्रभारी नियुक्त किए गए हैं।

त्रिमूर्ति नगर स्थित श्री सांवरिया सेठ मंदिर में अखिल भारतीय विश्व गीता प्रतिष्ठानं की केंद्रीय कार्यकारिणी (मध्य भारत प्रांत) और परशुराम कल्याण बोर्ड के जिला प्रभारी की

संयुक्त बैठक में बताया कि परशुराम कल्याण बोर्ड, मध्य प्रदेश शासन और विश्व गीता प्रतिष्ठान मिलकर पूरे प्रदेश में भगवद्गीता का सामूहिक पाठ कराएंगे, जिससे जन-जन तक गीता का दिव्य संदेश पहुंचे।

भव्य गीता जयंती महोत्सव की तैयारियां शुरू, 'हर-हर गीता, घर-घर गीता' के संकल्प के साथ कार्यकारिणी गठित भव्य गीता जयंती महोत्सव की तैयारियां शुरू, 'हर-हर गीता, घर-घर गीता' के संकल्प के साथ कार्यकारिणी गठित की गई है। गीता शिक्षण प्रमुख स्वयं प्रकाश सोनी ,महिला प्रमुख संध्या राजपुरोहित, महिला स्वाध्याय प्रमुख साधना वर्मा, स्वाध्याय प्रमुख कपिल सोलंकी ,संपर्क प्रमुख गौरव गुप्ता , प्रचार-प्रसार प्रमुख पार्षद अजीत जैन, रितेश शर्मा एवं ओमप्रकाश सोलंकी बनाए गए हैं।

1100 पाठों का संकल्प और सामूहिक वाचन- महोत्सव के अंतर्गत एक प्रेरणादायक लक्ष्य निर्धारित किया गया है । जिला स्तर पर श्रीमद्भगवद्गीता के 15वें अध्याय के 1100 पाठ तथा तहसील एवं विकासखंड स्तर पर 500 मुखाग्र पाठ का सामूहिक आयोजन किया जाएगा। जानकारी गीता स्वाध्याई साधना वर्मा ने दी।

आईएएस संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मण बेटियों के विरुद्ध की गई टिप्पणी के विरोध में सर्व ब्राह्मण समाज धार हुआ आक्रोशित

पुतला जलाकर, प्रकरण दर्ज करने हेतु थाने पर दिया आवेदन

धार। आईएएस अधिकारी एवं (अजाक्स) के प्रांतीय अध्यक्ष संतोष वर्मा के द्वारा ब्राह्मण समाज की बेटियों के बारे में दिए गए बयान की धार जिला सर्व ब्राह्मण समाज ने कड़े शब्दों में निंदा की है वहीं बुधवार को परशुराम चौराहा मोहन टॉकीज पर संतोष वर्मा का पुतला जलाकर नारेबाजी करते हुए आक्रोश व्यक्त किया। धार कोतवाली पहुंचकर समाजजनों ने थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान को आवेदन देकर संतोष वर्मा के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की मांग की। आवेदन में कहा गया कि आईएएस अधिकारी वर्मा ने भोपाल के अंबेडकर मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, 'जब तक कोई ब्राह्मण अपनी बेटी मेरे बेटे को दान नहीं करता या उससे संबंध नहीं बनाता, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए।' यह उनकी तुच्छ सोच है इसे अशोभनीय, जातिवादी और ब्राह्मण बेटियों के लिए आपत्तिजनक व अपमानजनक है अगर जल्द ही आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया गया, तो ब्राह्मण समाज जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन करेगा।

इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज के विश्वास पांडे, धर्मेन्द्र जोशी, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, प्रवीण शर्मा, अनिल तिवारी,श्रीकांत द्विवेदी, राजेश शर्मा,गोटू शुक्ला, अमित मंडलोई,अभिषेक वैध, राजीव जोशी,प्रवीण उज्जैनकर अभिषेक चतुर्वेदी,ममता जोशी,मीना दुबे,रीता दीदी, नीता शर्मा, प्रतिभा शर्मा, सीमा पंड्या,चुन्नू बाजपेई, अवध द्विवेदी,नीलेश जोशी, प्रशांत रावल, संतोष शर्मा, देवेंद्र शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा, दिलीप शर्मा, चेतन शर्मा,रुद्र शर्मा, राजा शर्मा, लोकेश राजपुरोहित, करणी सेना जिलाध्यक्ष कृष्ण पटेल सहित बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

खाद्य पंजीयन के बिना किराना दुकान का संचालन करने पर दस हजार रू जुर्माना

रायसेन (निप्र)। न्यायालय न्याय निर्णायक अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी श्री मनोज उपाध्याय द्वारा मुकेश किराना स्टोर के संचालक श्री मुकेश नायक निवासी सेहतगंज पर बिना पंजीयन के खाद्य व्यवसाय का संचालन करने पर दस हजार रू का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही 15 दिवस में जुर्माना राशि निर्धारित शासकीय मद में जमा कराने के आदेश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती कल्पना आरसिया द्वारा 30 जुलाई 2024 को सेहतगंज में मुकेश किराना स्टोर का निरीक्षण किया गया था। इस दौरान किराना दुकान का संचालन बिना खाद्य पंजीयन के करना पाया गया। जिस कारण किराना दुकान के संचालक श्री मुकेश नायक पर दस हजार रू का जुर्माना लगाया गया है।

अवैध शराब के विरूद्ध की गई कार्रवाई

350 किलो महुआ लाहन एवं 30 लीटर कच्ची मदिरा जब्त

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रहण, परिवहन और विक्रय के विरूद्ध निरंतर कार्यवाहियां की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी श्री दीपसिंह राठौर ने बताया कि इछावर तहसील के ग्राम बिछोली, जामली एवं फांगिया में आबकारी विभाग की टीम द्वारा दबिश दी गई और आबकारी अधिनियम के तहत 05 प्रकरण कायम किए गए। टीम द्वारा इस कार्रवाई में 350 किलोग्राम महुआ लाहन एवं 30 लीटर कच्ची मदिरा जब्त की गई। जिसका अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 41 हजार रूपये है। यह कार्रवाई आबकारी उपनिरीक्षक श्री माधव कुण्डल, आबकारी मुख्य आरक्षक विजय कुमार शर्मा, आबकारी आरक्षक श्रीमती प्रियवंदना पाण्डे, प्रियंका यादव, राहुल सिंह चौधरी द्वारा की गई।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में राजमिस्त्री का 30 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

हरदा (निप्र)। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, हरदा में 24 नवम्बर से 30 दिवसीय राजमिस्त्री का प्रशिक्षण शुभारम्भ हुआ। यह प्रशिक्षण भारत सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत प्रदान किया जा रहा है। जिला पंचायत हरदा की जनपद पंचायत हरदा से प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण योजना के तहत प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण हेतु आरसेटी हरदा भेजा गया। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को आवास निर्माण हेतु कौशल को अच्छे से पारंगत किया जायेगा। प्रशिक्षण के दौरान फील्ड विजिट भी करवा कर प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद ग्रामीण विकास मंत्रालय का प्रमाण पत्र प्रदान दिया जायेगा। परियोजना अधिकारी जिला पंचायत श्री मनीष सिंह तंवर ने प्रशिक्षण का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर आरसेटी निदेशक श्री दिनेश कुमार शाक्य, जिला परियोजना प्रबन्धक ग्रामीण आजीविका मिशन श्री रामनिवास कालेश्वर, जिला प्रबन्धक स्किल श्री राधे श्याम जाट, श्री राजेंद्र इरलावत, श्री मुकेश विश्वकर्मा उपस्थित थे।

ईकेवायसी का कार्य अभियान के रूप में क्रियान्वित करें

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना 3.0 के अन्तर्गत निर्धन परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदाय की कार्रवाई शीघ्र करें

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज जिले में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना 3.0 के अन्तर्गत निर्धन परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदाय के कार्यो की समीक्षा की। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित इस बैठक में तीनों आयल कंपनियों के प्रतिनिधि तथा गठित समिति के सदस्य और विभागों के अधिकारी मौजूद रहे रहे। कलेक्टर श्री गुप्ता ने उक्त योजना के तहत सबसे पहले पीएम जन मन और धरती आबा योजना के लगभग 2450 पात्रता धारकों को गैस कनेक्शन दिलाए जाने के लिए ईकेवायसी कार्यो को अभियान के रूप में प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए है। समिति के सदस्य सचिव और जिला आपूर्ति अधिकारी श्री अनिल तंतुवाय ने प्रधानमंत्री उज्जवला योजना 3.0 के अन्तर्गत निर्धन परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदाय के लिए निर्धारित मापदंडों पर गहन प्रकाश डालते हुए ततसंबंध में प्राप्त निर्देशों को सांझा किया है। उन्होंने बतलाया कि प्रधानमंत्री उपरोक्त विषयांतर्गत उज्जवला योजना 3.0 के अन्तर्गत गरीब परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदाय करने के संबंध में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार द्वारा एसओपी जारी की गई है। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना विस्तारित चरण 3.0 को सुचारू रूप से लागू करने के लिये जिला उज्जवला समिति के गठन एवं हस्ताक्षर की कार्यवाहीं करने के निर्देश दिये गये थे के परिप्रेक्ष्य में कार्य पूरे किए गए हैं। जिलो में का गठन हो गया है, वहा आवेदन पत्र एकत्रित किये जाने की कार्यवाहीं की जा रही है। पात्र हितग्राहियों के केवाईसी आवेदन पत्र एकत्रित किये जाकर उज्जवला पोर्टल पर दर्ज किये जाना है।उक्त के संबंध में जिला स्तर पर यह बैठक का आयोजन कलेक्टर की अध्यक्षता में किया गया है।जिसमें जिला आपूर्ति नियंत्रकध्अधिकारी एवं जिला नोडल अधिकारी , सेल्स ऑफिसर ऑयल कंपनी तथा गैस एजेसियों के प्रबंधक आदि को उक्त निर्देशों के अंतर्गत नवीन गैस कनेक्शन जारी करने हेतु केवाईसी आवेदन पत्र लिये जाने, जारी एवं कनेक्शन उपलब्ध कराये जाने के संबंध में निर्धारित प्रक्रिया से अवगत कराया जाये। उक्त कार्यवाहीं की जानकारी संचालनालय को अवगत कराने की प्रक्रिया संपादित की जाएगी।

नीमपानी-आमागोहान के किसान बुदनी के आईटीसी बायोधान सेंटर के लिए रवाना

बैतूल (निप्र)। कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जिले के कृषकों के दल को नरवाई प्रबंधन के अध्ययन के लिए सोमवार को बुदनी के लिए रवाना किया गया। कलेक्टर कार्यालय परिसर में अपर जिला कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट ने हरी झंडी दिखाकर कृषकों को सीहोर जिले के आईटीसी चैपाल बायोधान सेंटर बगबाड़ा, बुदनी के लिए प्रस्थान कराया। इस अवसर पर उपसंचालक कृषि आनंद बड़ोनिया ने बताया कि घोड़ाडोंगरी विकासखंड के ग्राम नीमपानी तथा आमागोहान के किसानों को नरवाई प्रबंधन का प्रशिक्षण के लिए भेजा है। आईटीसी बायोधान सेंटर में हैरेक, स्लेशर और राउंड बेलर जैसी उन्नत मशीनें एक साथ संचालित की जाती हैं, जिनकी मदद से धान एवं मक्का की नरवाई को सुरक्षित बेल के रूप में तैयार किया जाता है। जहां किसान नरवाई प्रबंधन का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर उपसंचालक कृषि आनंद बड़ोनिया, सहायक कृषि यंत्री डॉ. प्रमोद मीना, एसएडीओ अल्का कोढापे, एडीए दीपक सरियाम, इंद्रभान सिंह, तुषार राठौर, प्रवीण विश्वकर्मा सहित विभागीय अधिकारी एवं कृषक उपस्थित रहे।

तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने किया शा0 पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम का अकादमिक निरीक्षण

संस्थान के उन्नयन हेतु दिए कई महत्वपूर्ण निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। ध्यप्रदेश शासन के तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अतिरिक्त संचालक डॉ.वायएसठाकुर ने शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम का अकादमिक निरीक्षण किया। इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.पीसीनरवरे ने बताया कि अतिरिक्त संचालक, डॉ.ठाकुर ने संस्थान के उन्नयन के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। जिसके अंतर्गत संस्थान की गुणवत्ता, छात्र-प्रदर्शन प्रबंधन, कंप्यूटर लैब, लाइब्रेरी, फर्नीचर, मशीनरी व उपकरण की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ आधोसंरचनात्मक विकास और मैनपावर को भी सुदृढ़ करने पर ज़ोर दिया गया। रोजगार-उन्मुखता को बढ़ावा देने हेतु विभागीय स्तर पर संभागीय टीपीओ सेल का गठन प्रक्रिया में है। गठन के बाद यह सेल छात्र-छात्राओं को शत-प्रतिशत प्लेसमेंट में मदद करेगा। संस्थान की नियमित फैकल्टी को शोध एवं विकास पर कार्य करने और राष्ट्रीय स्तर पर शोध पत्र प्रकाशित करने के लिए प्रेरित किया गया। संस्थान में अधोसंरचना सुधार के लिए एक विस्तृत कार्य-योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष श्रीदेवेश तिवारी, श्रीअंकुर सक्सेना, श्रीसौरभ कैथवास तथा समस्त व्याख्यातागण और समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जान बचायें और 25 हजार रूपये पायें

गोल्डन ऑवर में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले 'राह-वीर' को मिलेगा इनाम

हरदा (निप्र)। सड़क दुर्घटनाओं में होनी वाली मृत्युदर में कमी लाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा 'राह-वीर' योजना शुरू की गई है। योजना की गाईड लाईन के अनुसार सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन आवर अर्थात दुर्घटना से एक घंटे के भीतर का समय में अस्पताल पहुंचाने वाले 'राह वीर' को 25 हजार रूपये की नगद प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति-पत्र दिया जायेगा। इसके साथ ही चुने हुए 'राह-वीरों' में से सबसे योग्य 10 राह-वीरों को राष्ट्रीय स्तर पर एक-एक लाख रुपये पुरस्कार स्वरूप दिये जायेंगे।

'राह-वीर' के लिए पात्रता

कोई भी व्यक्ति जो मोटर यान सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल या ट्रामा केयर सेंटर तत्परता से पहुँचाकर जान बचाता है ऐसे सभी व्यक्ति 'राह-वीर' योजना के लिए पात्र होंगे। गोल्डन ऑवर अर्थात दुर्घटना होने के एक घंटे के भीतर गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की जान बचाने के लिए चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराना है।

कैसे चुने जाएंगे 'राह-वीर'

कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा पुलिस थाना, अस्पताल/ट्रामा केयर सेंटर से प्राप्त जानकारी के मुताबिक प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी। इसकी प्रति संबंधित 'राह-वीर' को भी भेजी जाएगी। मूल्यांकन समिति में संबंधित जिले के जिला मजिस्ट्रेट, एसएसपी, सीएमएचओ, आरटीओ शामिल होंगे। ये समिति मासिक आधार पर प्रस्तावों की समीक्षा कर उन्हें मंजूरी देगी। चुने हुए राह वीर को राज्य परिवहन आयुक्त द्वारा सीधे बैंक खाते में प्रोत्साहन राशि का अंतरण किया जाएगा। राज्य स्तर पर इसकी निगरानी के लिए प्रमुख सचिव, गृह की अध्यक्षता में एक राज्य स्तरीय निगरानी समिति बनाई जाएगी। जो हर तीन महीने में योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। योजना 21 अप्रैल 2025 से प्रभावशील है। 'राह-वीर' की जानकारी केवल अवार्ड प्रदाय के लिए उपयोग की जाएगी, अन्य किसी कार्य के लिए नहीं। एक 'राह-वीर' को वर्षभर में अधिकतम 5 प्रकरणों में अवार्ड दिया जा सकेगा। इस योजना के तहत दिए जाने वाले सम्मान की राशि परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा वहन की जाएगी।

डिजिटलाइजेशन कार्य पूर्ण करने पर आमला के बीएलओ सुपरवाइजर का किया सम्मान

बैतूल (निप्र)। निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम के अंतर्गत आमला विधानसभा क्षेत्र 130 में बीएलओ सुपरवाइजर श्री पुरुषोत्तम यादव, श्री अनिल बिंझाड़े, श्री रामप्रसाद पाल ने गणना पत्रकों के डिजिटलीकरण में शत प्रतिशत कार्य पूर्ण किया है। इस उपलब्धि पर सोमवार को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं एसडीएम श्री शैलेंद्र कुमार बडोनिया ने उनके उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए उन्हें मिठाई खिलाकर पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया।

तीर्थदर्शन योजना के तहत वृद्धजन वैष्णो देवी यात्रा करेंगे

हरदा (निप्र)। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना अंतर्गत मध्यप्रदेश के ऐसे वरिष्ठ नागरिक को जो कि 60 वर्ष से अधिक आयु के है तथा आयकर दाता नहीं है, उन्हें प्रदेश के बाहर स्थित विभिन्न तीर्थ स्थानों की यात्रा मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत शासकीय खर्चे पर कराई जा रही है। आगामी 1 मार्च 2026 को जिले के वरिष्ठ नागरिक वैष्णो देवी यात्रा करेंगे। संयुक्त कलेक्टर श्री सतीश राय ने बताया कि इस यात्रा में हरदा जिले के 179 यात्री, तीर्थ यात्रा पर जायेंगे, जिनमें हरदा तहसील के 44, हंडिया के 19, टिमरनी के 34, रहटगांव के 19, खिरकिया के 34 व सिराली तहसील के 29 यात्री शामिल होंगे। तीर्थ यात्रा के लिये 30 जनवरी तक आवेदन लिये जायेंगे। संयुक्त कलेक्टर श्री राय ने जिले के सभी तहसीलदारों, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायतों व मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया है कि यात्रा में जाने वाले के 2-2 फोटो व प्रत्येक का फार्म लिया जावे। प्रत्येक फार्म में मेडिकल अनिवार्य रूप से कराया जावे। शासन के निर्देशानुसार यह सुनिश्चित किया जाए कि जिन यात्रियों की उम्र 65 वर्ष से कम है, उनके साथ सहायक नहीं होगा, यात्री की आयु यदि 60 वर्ष से कम है तो वह यात्रा के लिये पात्र नहीं होगा। महिलाओं के मामले में 2 वर्ष की छूट रहेगी।

सीएमएचओ द्वारा की गई, मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के कार्य की समीक्षा

नर्मदापुरम (निप्र)। सिविल अस्पताल इटारसी में सीएमएचओ डॉ नरसिंह गेहलोत द्वारा सोमवार 24 नवंबर को नगर की समस्त महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के द्वारा नागरिकों को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रम योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। डॉ.गेहलोत ने अधीक्षक डॉ.आरकेचौधरी को हेडकाउंट सर्वे कराने के निर्देश दिए, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं में मौजूद अंतराल को पहचान कर तुरंत भरपाई की जा सके। जिला स्वास्थ्य अधिकारी (डीएचओ) डॉ.सृजन सेंगर ने एएनएम को प्रत्येक गर्भवती महिला की न्यूनतम चार जांच अनमोल पोर्टल में दर्ज करने और टीकाकरण डेटा को युविन पोर्टल पर शत-प्रतिशत अपलोड करने का निर्देश दिया। बैठक में अधीक्षक ने बताया कि हर माह की 9और25तारीख को आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती माताओं और शिशुओं के टीकाकरण, क्षय उन्मूलन, मलेरिया नियंत्रण, ब्लड बैंक, ओपीडी तथा आईपीडी जैसी सेवाओं की लक्ष्य उपलब्धि पर प्रकाश डाला गया। डॉ.गेहलोत ने विभागीय कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करने की चेतावनी दी और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को समय पर समाधान करने के लिए मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त, 30वर्ष आयु वर्ग के सभी व्यक्तियों की एनसीडी स्क्रीनिंग डेटा को एनसीडी पोर्टल पर दर्ज करने के लिए एलएचवी और एएनएम को विशेष निर्देश दिए गए। बैठक में जिला टीकाकरण अधिकारी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला सहकारी विकास समिति की बैठक आयोजित

दुग्ध उत्पादन क्षमता बढ़ाने और नई संस्थाओं के गठन के लिए किया जाए डोर-टू-डोर सर्वे - कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला सहकारी विकास समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालगुरू के. ने जिले में सहकारी क्षेत्र के सुदृढ़ीकरण एवं विकास के संबंध विस्तार से चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि जिले में पहले से पंजीकृत 108 संस्थाओं के साथ अब तक 27 नई बी-पैक्स संस्थाओं का पंजीयन हो चुका है, जिससे कुल संख्या 135 हो गई है। बैठक में दुग्ध सहकारी संस्थाओं के गठन की समीक्षा करते हुए स्पष्ट किया गया कि तीन संस्थाओं का पंजीयन हो चुका है तथा शेष प्रस्ताव प्रक्रियाधीन हैं। इस पर कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने दुग्ध उत्पादन क्षमता बढ़ाने और नई संस्थाओं के गठन के लिए डोर-टू-डोर सर्वे कराने के निर्देश दिए। मत्स्य सहकारी संस्थाओं के संबंध में मनरेगा से बने तालाबों का उपयोग कर मत्स्य पालन को बढ़ावा देने तथा आवश्यक सीड स्टॉक की व्यवस्था करने के संबंध में निर्देश दिए गए। बैठक में निष्क्रिय एवं परिसमापनाधीन दुग्ध समितियों के स्थान पर नई समितियों के पंजीयन के निर्देश दिए गए, साथ ही दुग्ध एवं मत्स्य समितियों के शेष सदस्यों के बैंक खाते शीघ्र खोलने का लक्ष्य तय किया गया। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए शासकीय निर्देशों के पूर्ण पालन करने के निर्देश दिए।

नवगठित बी-पैक्स समितियों के लिए कार्यालय भवन एवं भंडारण व्यवस्था हेतु शासकीय भूमि आवंटन, साथ ही कंप्यूटर, फर्नीचर एवं अन्य संसाधनों की व्यवस्था ऋण अथवा वित्तीय सहयोग से करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि सहकारी संस्थाओं को पारदर्शी, सशक्त एवं लाभकारी बनाने के लिए ठोस कार्ययोजना के साथ कार्य किया जाए, जिससे जिले में सहकारिता संबंधी कार्यों को नई गति मिल सके।

सोनतलाई एवं करताना में रोजगार मेला सम्पन्न

हरदा (निप्र)। म.प्र.डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन हरदा द्वारा ग्रामीण बेरोजगार युवक युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रोजगार मेले का आयोजन सोमवार को ग्राम पंचायत भवन सोनतलाई एवं मंगलवार को ग्राम पंचायत करताना में बस स्टेण्ड पर आयोजित किया गया। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनीयो एसआईएस नीमच, प्रतिभा सिंटेक्स, पीथमपुर, प्रथम एज्युकेशन भोपाल एवं वर्धमान फैब्रिक मण्डीदीप, ने सहभागीता कर युवाओं का चयन किया। ग्राम पंचायत सोनतलाई में 32 बेरोजगार युवक युवतियों ने अपना पंजीयन कराया, जिसमें से 12 युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए, ग्राम पंचायत करताना में 45 बेरोजगार युवक युवतियों ने अपना पंजीयन कराया जिसमें से 35 युवकों को विभिन्न कंपनियो व संस्थाओं द्वारा रोजगार के अवसर प्राप्त हुए।

रायसेन रेप केस

गौहरगंज में अघोषित कर्फ्यू, पथराव के बाद पुलिस का लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले छोड़े

रेप का आरोपी सलमान 5 दिन बाद भी फरार

रायसेन (नप्र)। रायसेन के गौहरगंज में फिलहाल अघोषित कर्फ्यू के हालात हैं। लोग घरों में बंद हैं। सड़कें सुनसान हैं। 6 जिलों की पुलिस ने मोर्चा संभाल रखा है। 500 से अधिक जवान हालात पर नजर रख रहे हैं। क्विक रिस्पॉन्स फोर्स भी मौके पर है। डीआईजी प्रशांत खरे के मुताबिक, हालात कंट्रोल में हैं। हालांकि, 6 साल की बच्ची से रेप का आरोपी सलमान उर्फ नजर फरार है। पुलिस की टीमें उसकी तलाश कर रही हैं।

इससे पहले सलमान की गिरफ्तारी की मांग को लेकर वारदात के पांचवें दिन बुधवार को गौहरगंज के स्कूल ग्राउंड में शांतिपूर्वक धरना-प्रदर्शन किया गया। इसके बाद लोग अपने-अपने घरों की ओर लौटने लगे। इसी दौरान कुछ युवकों का झुंड मुस्लिम बावली बस्ती की ओर जाने लगा। पुलिस ने उन्हें रोका, हल्का लाठी चार्ज भी किया। इससे नाराज होकर युवकों ने पुलिस के ऊपर पत्थरबाजी शुरू कर दी। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े तो उपद्रवी भाग निकले।

बंद का ऐलान, 4 दिन की नाकामी ने भड़काया गुस्सा, पुलिस को आखिरी 24 घंटे का 'अल्टीमेटम'- गौहरगंज थाना क्षेत्र में एक 6 साल की बच्ची के साथ हुई दरिंदगी के मामले में आरोपी सलमान उर्फ नज़र (23) चार दिन बाद भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। बच्ची को इतनी बुरी तरह नोचा गया है कि उसे ठीक होने में कम से कम छह महीने लगेंगे और डॉक्टरों को उसके पूरी तरह सामान्य होने को लेकर भी आशंका है। इस घटना से लोगों में भारी आक्रोश है और सोमवार को हाईवे जाम करने के बाद बुधवार को सकल हिंदू समाज के बैनर तले बड़े बंद का आह्वान किया गया है।

एम्स में चल रहा इलाज- शुक्रवार रात हुई इस घटना के बाद बच्ची को भोपाल एम्स के आईसीयू में भर्ती कराया गया है, जहां वह जिंदगी और मौत के बीच झूल रही है। डॉक्टरों के अनुसार, आरोपी ने बच्ची के प्राइवेट पार्ट को इतनी बर्बरता से नोचा कि उसे ठीक होने में छह महीने लगेंगे। बच्ची का इलाज भोपाल के एम्स में चल रहा है। शुक्रवार रात जब उसे एम्स लाया गया तब वह बेहोश थी।

शनिवार को हुई सर्जरी- शनिवार को बच्ची की जटिल सर्जरी की गई। इलाज कर रहे डॉक्टरों ने बताया कि आरोपी की वहशियाना हरकत के कारण उसके प्राइवेट पार्ट बुरी तरह क्षतिग्रस्त थे। डॉक्टरों को मजबूरन प्राइवेट पार्ट तक जाने वाली नसों को बायपास करके नई व्यवस्था तैयार करनी पड़ी, ताकि मोशन पास हो सके और प्राइवेट पार्ट की हीलिंग शुरू हो सके।

तीन महीने बाद होगी सर्जरी

बच्ची आईसीयू में है और दो दिनों में थोड़ी सुधार की उम्मीद दिखी है। एम्स प्रबंधन के अनुसार, तीन महीने बाद एक और ऑपरेशन होगा और पूरी रिकवरी में कम से कम छह महीने लगेंगे। इसके बाद भी उसके पूरी तरह सामान्य होने को लेकर डॉक्टर आशंकित हैं।

आरोपी पर अब 30 हजार का इनाम

आरोपी सलमान उर्फ नज़र बच्ची को टॉफी का लालच देकर ले गया था। पुलिस ने उस पर इनाम की राशि 10 हजार रुपए से बढ़ाकर 30 हजार रुपए कर दी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि आरोपी का सुराग मिले तो पुलिस को बताएं।

सातवें आसमान पर लोगों का गुस्सा

इस घटना के विरोध में गौहरगंज, औबेदुल्लागंज और आसपास के गांवों में लोगों का गुस्सा उबाल पर है। सोमवार को लोगों ने हाईवे जाम किया। अब बुधवार को सकल हिंदू समाज के बैनर पर बड़े बंद का आह्वान किया गया। विहिप, बजरंग दल और व्यापारी संगठन भी इस बंद का समर्थन करेंगे। इसी के चलते गौहरगंज और औबेदुल्लागंज के निजी स्कूल आज बंद रहेंगे।

वीआईटी यूनिवर्सिटी में दूसरे दिन भी आगजनी, पैरामिलिट्री फोर्स तैनात

घटिया खाना-पानी का विरोध कर रहे 4 हजार छात्र

भोपाल/सीहोर (नप्र)। मध्य प्रदेश के सीहोर स्थित वीआईटी (वेल्लोर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) यूनिवर्सिटी में छात्रों का उग्र प्रदर्शन बुधवार को भी जारी रहा। सुबह यूनिवर्सिटी की बिल्डिंग में कुछ छात्रों ने फिर आग लगा दी। हालात बिगड़ते देख कैंपस में पैरामिलिट्री फोर्स तैनात कर दी गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम को भी कैंपस में बुलाया गया। टीम ने मेडिकल टेस्ट के लिए सभी छात्रों के ब्लड सैंपल लिए।

छात्रों ने बताया- यूनिवर्सिटी में भोजन और पानी की खराब क्वालिटी के कारण हमारे कई साथियों को पीलिया हो गया है। 100 छात्र अस्पतालों में भर्ती हैं। कुछ की मौत भी हुई है। हमने जब विरोध में आवाज उठाई तो गार्ड ने हमारे साथ मारपीट की। इसका वीडियो भी है। मारपीट की घटना के बाद मंगलवार रात 4 हजार छात्रों ने कैंपस में बस और कारों में आग लगा दी। 5 थानों से पुलिस बल बुलाना पड़ा। यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने 30 नवंबर तक अवकाश घोषित कर दिया। इसके बाद स्टूडेंट्स यूनिवर्सिटी छोड़कर चले गए।

डीन बोले- प्रोफेसर दास की मौत का वीआईटी की घटना से संबंध नहीं- वीआईटी के डीन सुरेश एम ने एक मामले में स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने बताया कि प्रोफेसर संग्राम केसरी दास (उम्र 43 वर्ष) की मौत सीहोर स्थित उनके मकान में हुई। वह वहां किराए से रहते थे। डीन ने कहा- प्रोफेसर दास की मौत का वीआईटी में कल रात हुई घटना से कोई संबंध नहीं है।

प्रभारी मंत्री श्रीमती गौर ने सीहोर जिले के वीआईटी कॉलेज की घटना पर लिया संज्ञान

सीहोर जिले के कोठरी स्थित वीआईटी कॉलेज में दूषित भोजन खाने से विद्यार्थियों का स्वास्थ्य खराब होने की घटना और छात्रों द्वारा प्रदर्शन की जानकारी प्राप्त होने पर संज्ञान लेते हुए पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त, घुमंतु एवं अर्द्ध घुमंतु कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने सीहोर कलेक्टर श्री बालागुरू के.,एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला तथा कॉलेज प्रबंधन से घटना की विस्तृत जानकारी ली। मंत्री श्रीमती गौर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के साथ ही छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए।

मंत्री श्रीमती गौर ने कॉलेज प्रबंधन को विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए संस्थान में कुछ दिनों का अवकाश घोषित करने को भी कहा, जिससे छात्र आराम कर सकें और स्थिति सामान्य होने के साथ ही वापस लोटने पर सहज महसूस कर सकें। मंत्री श्रीमती गौर ने निर्देश दिए कि कॉलेज की मेस एवं भोजन व्यवस्था का तत्काल परीक्षण कर उसे दुरुस्त किया जाए तथा भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुधार कर सुचारू किया जाए, जिससे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने कहा कि घटना पर प्रशासन सतर्क है और स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है। इस घटना के तुरंत बाद ही पुलिस एवं प्रशासन की टीम ने घटना स्थना पहुंच कर स्थिति को नियंत्रित कर लिया है।

'संविधान दिवस' पर दिग्विजय सिंह ने केंद्र की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए

सांसद विवेक तन्खा ने संविधान पालन को बताया समय की जरूरत

इंदौर। संविधान दिवस पर शहर कांग्रेस और जिला कांग्रेस कमेटी ने गीता भवन चौराहा स्थित संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे। मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह तथा राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा सम्मिलित हुए। दिग्विजय सिंह ने अपने संबोधन में 9 राज्यों में जारी

एसआईआर प्रक्रिया को केंद्र सरकार की ''दोषपूर्ण कार्यप्रणाली'' करार दिया। उन्होंने कहा कि इतने बड़े स्तर की प्रक्रिया को एक माह में पूरा करना अव्यावहारिक है। इस कार्य के लिए कम से कम छह माह का समय दिया जाना चाहिए था। समय सीमा कम होने से बीएलओ पर बढ़ते दबाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कई बीएलओ तनावग्रस्त हैं और कुछ ने आत्महत्या जैसे कदम भी उठाए, जो बेहद चिंताजनक है। वहीं, विवेक तन्खा ने संविधान के संरक्षण, पालन और उसके मूल्यों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और सभी को मिलकर संविधान की भावना के अनुरूप कार्य करना चाहिए। मीडिया से बातचीत में दिग्विजय सिंह ने राहुल गांधी के उस ट्वीट का समर्थन किया जिसमें केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री पर बड़े उद्योगपतियों, खासकर अडानी समूह को लाभ पहुंचाने के आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने जो कहा, उसमें कोई दो राय नहीं। सांप्रदायिक हिंसा पर दायर याचिका को लेकर उन्होंने कहा कि सामाजिक सौहार्द बनाए रखना अनिवार्य है और उनकी याचिका इसी उद्देश्य से दायर की गई है। कार्यक्रम के अंत में कांग्रेस नेताओं ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर समानता, न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण का संकल्प लिया।

भारत का संविधान कानूनी दस्तावेज नहीं वह ग्रंथ है जो देश की आत्मा और लोकतांत्रिक मूल्यों को दर्शाता है : उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि कैलेण्डर में 26 नवम्बर की तारीख बेहद खास है। इसी दिन भारत का संविधान अपनाया गया था। हमारा संविधान सिर्फ एक कानूनी दस्तावेज नहीं है। यह एक ग्रंथ है, जो देश की आत्मा उसके सपनों और उसके लोकतांत्रिक मूल्यों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में शायद ही किसी देश के संविधान की मूल प्रति इतनी कलात्मक होगी। संविधान की मूल प्रति हाथ से लिखी गयी थी। यह मूल प्रति आज भी संसद भवन की लाइब्रेरी में सुरक्षित रखी गयी है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा बुधवार को भोपाल में विधानसभा के मानसरोवर सभागार में समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि संविधान का निर्माण कोई जल्दबाजी का काम नहीं था। संविधान सभा को इसे पूरा करने में 2 साल 11 महीने 18 दिन का समय लगा। इस दौरान समिति की 114 दिनों की बैठकें हुईं। उन्होंने कहा कि संविधान सभा में विविधता का प्रतिबिम्ब था। कुल 179 सदस्यों मं 15 महिलाएं भी शामिल थीं। स्व. सरोजिनी नायडू, विजयलक्ष्मी पंडित, दुर्गा बाई देशमुख और हंसा मेहता जैसी महिला सदस्यों ने सक्रिय रूप से सभा की बहसों में भाग लिया। उप मुख्यमंत्री श्री

देवड़ा ने कहा कि संविधान एक स्थिर दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह समय के साथ विकसित होता रहता है। अब तक इसमें कई संशोधन हो चुके हैं, जो इसे बदलती हुई सामाजिक और आर्थिक जरूरतों के अनुरूप ढालते हैं।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि आज के दिन संविधान के 78 वर्ष पूर्ण हुए हैं। उन्होंने संविधान में मौलिक अधिकार और कर्तव्यों की व्याख्या की। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि केन्द्र और राज्य के संबंध और सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय पाने के अवसर संविधान में मौजूद हैं।

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा कि आज का दिन महत्वपूर्ण है। उन्होंने संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर एवं सदस्यों को नमन किया। संविधान की ताकत का जिक्र करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि वर्ष 1940 से 1950 के बीच अनेक देश आजाद हुए, लेकिन भारत की ताकत संविधान है, इसकी वजह से हमारा देश लोकतांत्रिक देश बना हुआ है। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माताओं में 29 सदस्य मध्यप्रदेश के रहे, यह गौरव की बात है। समारोह में प्रारंभ में अपर मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन ने कार्यक्रम के अतिथियों का स्वागत किया और संविधान की पृष्ठभूमि से सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, विधायक श्री भगवान दास सबनानी, महापौर श्रीमती मालती राय सहित विधानसभा के वरिष्ठ अधिकारी, स्कूल-कॉलेज के छात्र एवं छात्राओं के साथ नागरिक भी मौजूद थे।

साइबर ठगों से घबराए भोपाल के एडवोकेट ने किया सुसाइड

अज्ञात कॉलर ने कहा था-'दिल्ली ब्लास्ट में तुम्हारा नाम है, जल्द ही तुम्हें गिरफ्तार कर लेंगे'

भोपाल (नप्र)। भोपाल के जहांगीराबाद इलाके में सोमवार को एक वरिष्ठ एडवोकेट ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें लिखा गया है कि किसी व्यक्ति ने फोन पर वकील को बताया था कि दिल्ली में हुई साजिश में तुम्हारा नाम आ गया है। अब जल्द ही तुम्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उनके शव का बुधवार को पोस्टमॉर्टम कराया गया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जहांगीराबाद पुलिस के अनुसार 68 वर्षीय शिवकुमार वर्मा बरखेड़ी इलाके में रहते थे। वे वरिष्ठ एडवोकेट थे तथा वर्तमान में वकालत की प्रेक्टिस करते थे। मंगलवार रात करीब 7:30 बजे उन्होंने अपने घर में फांसी लगा ली। इलाज के लिए उन्हें अस्पताल ले जाया गया था जहां पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा पंचनामा बनाकर जांच शुरू की।

भोपाल में एक और बीएलओ निलंबित

अब तक 44 प्रतिशत हुआ एसआईआर डिजिटलाइजेशन; बैरसिया में सबसे ज्यादा 76 प्रतिशत

भोपाल (नप्र)। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में पीछे चल रहे भोपाल ने रफ्तार पकड़ ली है। मंगलवार रात तक जिले की सभी 7 विधानसभा में 44 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन हो चुका है। इनमें बैरसिया विधानसभा में डिजिटलाइजेशन का काम सबसे ज्यादा 76 प्रतिशत हुआ। इधर, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने एक बीएलओ को सस्पेंड कर दिया।

डिजिटलाइजेशन बढ़ाने के लिए अब सहायक रिटर्निंग अधिकारी यानी, एसडीएम नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। गोविंदपुरा एसडीएम एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता ने भी नया प्रयोग किया। उन्होंने बताया कि नरेला विधानसभा में नारायण श्री होम्योपैथिक कॉलेज के कई बच्चों ने वॉलिंटियर्स के रूप में इस काम में भागीदारी की है।

दरअसल, अशोका गार्डन से 80 फीट रोड, पुष्पा नगर-रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर-1 तक करीब 30 बीएलओ काम में लगे हैं। इनमें से 14 बीएलओ ऐसे हैं, जिनका काम कम हुआ है। इसलिए इनके साथ कॉलेज के 5-5 बच्चों की टीम बुधवार से मैदान में उतरेगी और बीएलओ की फॉर्म का

डिजिटलाइजेशन करेगी।

एक दिन में 7 प्रतिशत बढ़ा काम बता दें कि सात विधानसभा सीटों में 21 लाख 25 हजार 908 वोटर हैं। इनमें से 20.91 लाख फॉर्म बांटे जा चुके हैं। 19 नवंबर तक की स्थिति में फॉर्म की वापसी का प्रतिशत 7.37 ही था। सोमवार सुबह तक की स्थिति में यह 37 प्रतिशत पहुंच गया। वहीं, अगले ही दिन मंगलवार को 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद यह 44 प्रतिशत हो गया। अगले 10 दिन में सभी फॉर्म को डिजिटलाइज करने का टारगेट है।

आंकड़ों के अनुसार, बैरसिया में 76 प्रतिशत, भोपाल उत्तर में 42.5 प्रतिशत, नरेला में 38 प्रतिशत, भोपाल दक्षिण-पश्चिम में 34 प्रतिशत, भोपाल मध्य में 34 प्रतिशत, गोविंदपुरा में 35.6 प्रतिशत और हुजूर में 48 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन का काम हुआ है।

बीएलओ ने लापरवाही की, इसलिए कार्रवाई

कलेक्टर ने भोपाल दक्षिण-पश्चिम के बीएलओ अजीत सिंह बुंदेला को अपने दायित्वों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही बरतने पर निलंबित कर दिया। बुंदेला निर्धारित समय सीमा में मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित कार्यों को पूरा करने में विफल रहे। कार्य में उदासीनता, फील्ड में अनुपस्थित रहने और प्रगति न लाने को आयोग के निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन माना गया।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर 'एकता यात्रा' रवाना, गुजरात जाएगी

मुख्यमंत्री बोले 'लौह पुरुष ने रचा भारत की अखंडता का इतिहास'

इंदौर। सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को इंदौर से भव्य एकता यात्रा रवाना हुई। इस यात्रा में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सहित प्रदेश सरकार के मंत्री, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। यात्रा इंदौर से धार-झाबुआ होते हुए गुजरात के लिए प्रस्थान कर गई, जहां पटेल की जन्मस्थली पर समापन होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के संघर्ष में अहम भूमिका निभाने वाले अनेक महापुरुषों को योजनाबद्ध तरीके से भुलाने का प्रयास हुआ, जिसमें सरदार पटेल और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महानायक भी शामिल रहे। उन्होंने कहा कि यदि सरदार पटेल प्रधानमंत्री होते, तो देश की दिशा और अधिक सुदृढ़ होती, परंतु उन्होंने महात्मा गांधी के आदेश का सम्मान करते हुए संगठन और एकता को सर्वोपरि रखा।

उन्होंने कश्मीर मुद्दे पर नेहरू की नीतियों को त्रुटिपूर्ण बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि धारा-370 लगाने में कई गंभीर गलतियाँ हुईं, जिनके कारण देश को वर्षों तक नुकसान उठाना पड़ा। यदि भारत का नक्शा पूर्णता के साथ मिलता, तो अफगानिस्तान मार्ग होकर ईरान-इराक और यूरोप तक निर्बाध संपर्क संभव था, परंतु विभाजन रेखा की गलती ने इस संभावना को रोक दिया। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश की प्रशासनिक संरचना आईएएस, आईपीएस और अखिल भारतीय सेवाओं का मजबूत ढांचा सरदार पटेल का दूरदर्शी योगदान है। गुलामी के एक हजार वर्षों में कमजोर हुए भारत को उन्होंने एकता और अखंडता के सूत्र में बांधा।

शहर में पटेल ब्रिज स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा स्थल पर मुख्य समारोह आयोजित हुआ, जहाँ मुख्यमंत्री ने माल्यार्पण कर लौह पुरुष को नमन किया। विभिन्न संगठनों और नागरिकों ने यात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। कहा गया कि सरदार पटेल के आदर्श आज भी राष्ट्र को शक्ति, संकल्प और एकता का मार्ग दिखाते हैं।